JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग

केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com

जनमार्ग

निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक

आज का मौसम
अधिकतम : 21
न्यूनतम : 06
हवा में नमी : 162

वर्ष : 66 ● अंक: 43 ● श्रीगंगानगर, सोमवार, 30.12.2024, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ : 6

मेलबर्न टेस्ट में 184 रन से मिली हार

जनमार्ग न्यूज

मेलबर्न। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट 184 रन से हार गई है। इस हार का सबसे बड़ा कारण थर्ड अंपायर्स का एक विवादित फैसला रहा, जिसमें यशस्वी जायसवाल 84 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें फील्ड अंपायर ने नॉटआउट दिया था, लेकिन रिव्यू पर पर्याप्त सबूत नहीं होने के बावजूद थर्ड अंपायर्स ने उन्हें आउट किया। जब जायसवाल का विकेट गिरा, तब भारत को मैच ड्रॉ कराने के लिए 22 ओवर खेलने थे और 3 विकेट बाकी थे। ऐसे में यहां भारत मैच ड्रॉ करा सकता था, लेकिन यशस्वी के विकेट के बाद भारत का लोअर ऑर्डर (आखिरी 3 बैटर्स) बिखर गया। सोमवार को टीम इंडिया के सामने यह स्थिति टॉप ऑर्डर बैटर्स के खराब परफॉर्मेंस की वजह से आई। यशस्वी के अलावा, शुरुआती 3 बल्लेबाज रोहित शर्मा (9), केएल राहुल (0) और विराट कोहली (5) दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए।

किसानों का पंजाब बंद, दिल्ली-जालंधर हाईवे जाम

» लुधियाना में लोगों से बहस » लाडोवाल टोल प्लाजा पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश

जनमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। फसलों की एमएसपी का गारंटी कानून समेत 13 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में पंजाब बंद है। किसानों ने सुबह 7 बजे से 140 जगह पर हाईवे और रेलवे ट्रैक जाम किए हैं। इनमें अमृतसर-दिल्ली, अमृतसर-जम्मू, जालंधर-दिल्ली और फिरोजपुर हाईवे समेत अन्य रोड शामिल हैं। किसानों के समर्थन में कई जगह मार्केट के साथ पेट्रोल पंप बंद हैं। हालांकि लुधियाना का चौड़ा बाजार खुला है।

बसें और ट्रेनें न चलने से लोगों को परेशानियों को सामना करना पड़ा रहा है। 8 राज्यों में 576 रूट पर चलने वाली बसों के पहिए थमे हुए हैं। वहीं, बाहरी राज्यों से भी पंजाब में बसें नहीं आ रही हैं। रेलवे ने वंदे भारत समेत कुल 167 ट्रेनों को रद्द किया है। रेलवे स्टेशनों पर यूपी, पुणे, बिहार और कोलकाता समेत अन्य राज्यों के यात्री परेशान दिखे। कई यात्रियों ने तो ट्रेन कैंसिल होने पर होटल में रूम बुक किए। किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि इमरजेंसी सेवाओं में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी। किसी की कोई परीक्षा, इंटरव्यू आदि है तो उसे भी नहीं रोका जाएगा। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ समेत सभी यूनिवर्सिटी ने आज होने वाले एग्जाम स्थगित कर दिए थे। लुधियाना के खन्ना में किसानों ने बाजारों का चक्कर लगाने के बाद दिल्ली अमृतसर नेशनल हाईवे पर जाम लगाया। यहां पंजाब बंद को समर्थन मिल रहा है। सभी बाजार बंद हैं। जालंधर में धन्नोवाली फाटक पर दूल्हे की गाड़ी पहुंची। यहां किसानों ने धरना लगा रखा है। इस दौरान दूल्हा गाड़ी से बाहर आया और किसान मजदूर एकता का झंडा हाथों में लेकर किसान जिंदाबाद कहा। इसके बाद वह गाड़ी में बैठकर रवाना हो गया। मोहाली में किसानों ने चंडीगढ़-खरड़ हाईवे को जाम कर दिया है। किसानों ने हाईवे के बीच बाइकें खड़ी की हैं। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने कहा कि 4 बजे के बाद हाईवे को खोला जाएगा।

डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने की कोशिश

चंडीगढ़। खनौरी बॉर्डर पर 35 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए पंजाब सरकार कोशिश में जुटी है। एडीजीपी जसकरन सिंह की अगुआई में पुलिस टीम खनौरी बॉर्डर पहुंची है। उनके साथ पटियाला रेंज के डीआईजी मनदीप सिद्धू और पटियाला के एसएसपी नानक सिंह भी मौजूद हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को 31 दिसंबर से पहले डल्लेवाल को अस्थायी अस्पताल में शिफ्ट करने को कहा है। ऐसा न हुआ तो चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी पर कोर्ट की अवमानना का केस चल सकता है। कल ही यानी 31 दिसंबर को इसकी फिर सुनवाई भी है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एनपीएस की जगह यूपीएस को दी मंजूरी

● केंद्र सरकार के कर्मचारियों को 25 साल की सेवा के बाद मिलेगी 50 प्रतिशत पेंशन ● न्यूनतम 10 साल की सेवा पर मिलेगी पेंशन

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना (एनपीएस) की जगह एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दे दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसे मंजूरी दे दी है। नई योजना के तहत कर्मचारी को 25 साल की सेवा के बाद पिछले साल के औसत वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यूपीएस 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएगी। इसका लाभ 23 लाख कर्मचारियों को मिलेगा। अगर राज्य सरकारें यूपीएस लागू करती हैं तो कुल 90 लाख कर्मचारी इसका लाभ उठा सकेंगे। सरकार यूपीएस में 18.5 प्रतिशत का योगदान देगी। इसमें पारिवारिक पेंशन, गारंटीड न्यूनतम पेंशन और रिटायरमेंट के बाद एकमुश्त भुगतान का भी प्रावधान है। वैष्णव ने कहा, इस योजना को पूरी वित्तीय व्यवस्था के साथ लागू किया जा रहा है। यह कुछ कांग्रेस शासित राज्यों को योजनाओं के तहत दिया गया खोखला वादा नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार एनपीएस में 14 प्रतिशत का योगदान देती है। इसे बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। कर्मचारियों के पास एनपीएस से यूपीएस में से एक बार ही चुनने का विकल्प होगा। वैष्णव ने कहा कि यह योजना कर्मचारी संघों से परामर्श के बाद लागू की जाएगी और जी.एस. एकीकृत यूपीएस पेंशन योजना के तहत सरकारी कर्मचारी अब सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में पाने के हकदार होंगे। पेंशन के रूप में वेतन का 50 प्रतिशत पाने के लिए न्यूनतम सेवा अवधि 25 वर्ष होनी चाहिए। अश्विनी वैष्णव, सूचना एवं प्रसारण मंत्री एनपीएस में क्या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली उन सरकारी कर्मचारियों पर लागू है जो 1 अप्रैल, 2004 के बाद सेवा में आए हैं। यह पेंशन योजना एनपीएस से पहले के कर्मचारियों पर लागू परिभाषित लाभ के बजाय योगदान के आधार पर लाभ प्रदान करती है। इसे विशेषज्ञ निकायों के साथ पूर्ण परामर्श के बाद लाया गया है। न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा अवधि के लिए आनुपातिक रूप से पेंशन का भुगतान किया जाएगा। एनपीएस खाताधारक अब यूपीएस का विकल्प चुन सकते हैं, जो अगले वित्तीय वर्ष की शुरुआत से सुनिश्चित पेंशन देगा। पिछले कुछ चुनावों के दौरान अन्य विपक्षी दलों ने इस योजना को समाप्त करने और पुरानी योजना को लागू करने का वादा किया था।

शीतकालीन अवकाश के दौरान स्कूल खुले तो होगी कार्रवाई

● माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जारी किए आदेश

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सरकारी व निजी विद्यालयों में शिविर कलेंडर अनुसार शीतकालीन अवकाश की पालना करने के संबंध में माध्यमिक शिक्षा के निदेशक सीताराम जाट ने आदेश जारी किए हैं। निदेशक सीताराम जाट द्वारा जारी आदेशों के अनुसार समस्त राजकीय व निजी विद्यालयों में होने वाले शीतकालीन अवकाश 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक की पूर्ण पालना करने व शीतकालीन अवकाश के दौरान राज्य में किसी भी विद्यालय का संचालन नहीं होगा। आदेशों में बताया कि कुछ स्थानों पर निजी विद्यालयों का प्रबंधन विभागीय आदेशों की अवहेलना करते हुए विद्यालयों का संचालन कर रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने आदेशों में कहा कि शीतकालीन अवकाश की अवधि के दौरान किसी विद्यालय को संचालित होना पाया जाता है तो उस पर राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्था अधिनियम 1989 नियम 1993 के आधार पर कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी (मु.) (प्रारंभिक/माध्यमिक), मुख्य ब्लॉक शिक्षा अकिारी (प्रारंभिक /माध्यमिक) को आदेशों की पालना करते हुए शीतकालीन अवकाश के दौरान विद्यालय संचालन नहीं किये जाने व ऐसा करते हुए कोई पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए।

ओपी चौटाला की श्रद्धांजलि सभा कल

जनमार्ग न्यूज

डबवाली। सिरसा जिले के तेजाखेड़ा गांव स्थित चौधरी साहिब राम स्टेडियम में कल मंगलवार 31 दिसंबर को स्वर्गीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की आत्मा की शांति के लिए विशाल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देश-प्रदेश के कई वरिष्ठ राजनेता, नामचीन हस्तियां और हजारों लोग भाग लेंगे। इस कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। श्रद्धांजलि सभा के लिए स्टेडियम में वाटरप्रूफ बड़ा पंडाल लगाया जा रहा है। साथ ही आने वाले लोगों के लिए सभी जरूरी सुविधाओं का प्रबंध किया जा रहा है। चौधरी साहिब राम स्टेडियम में एक बार में करीब 10 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

श्रीगंगानगर में तापमान में 4 डिग्री की गिरावट

● सर्द हवाओं से छूटी कंपकंपी, लगातार तेज हो रही ठंड

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर में तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का असर सोमवार को नजर आया। रविवार को पूरा दिन कोहरे के असर के बाद रात को चली हवा से कोहरा तो कम हो गया, लेकिन सर्दी का असर तेज हो गया। शनिवार को जहां न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस था वहीं रविवार को यह 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया यानी तापमान में 4.1 डिग्री सेल्सियस की कमी आई। वहीं अधिकतम तापमान भी घटा है। इसी के असर से सर्दी लगातार तेज होती जा रही है। शहर में सोमवार को दिन की शुरुआत से तेज सर्दी से लोग परेशान होते दिखे। कामकाज की तलाश में निकले लोग सुबह सड़कों किनारे अलाव तापते रहे। वहीं

स्टूडेंट्स ठिठुरते हुए कोचिंग सेंटर्स पर पहुंचे। शहर में विजिबिलिटी क्लीयर थी। सर्दी के चलते सोमवार सुबह दूध और सब्जी बेचने निकले लोग बचाव के पूरे इंतजाम किए नजर आए। वहीं मौसम के विशेषज्ञ अब सर्दी का असर और तेज होने की बात कहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अगले 24 घंटे में सर्दी और तेज हो सकती है। इस दौरान हवा भी चलने की संभावना है। राज्य में एक जनवरी तक शीतलहर का असर रहेगा। मौसम केन्द्र के अनुसार अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सीकर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, नागौर और श्रीगंगानगर में कोहरे का साथ शीतलहर का असर रहेगा। मावठ के बाद श्रीगंगानगर इलाके में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में चार-चार डिग्री सेल्सियस से अधिक की गिरावट आई है। रविवार को कोहरा बारिश सा बरसा। आसमान पर घने बादलों का डेरा होने से दिनभर सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए।

अगले साल सिर्फ 240 दिन खुलेंगे सरकारी दफ्तर

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। अगला साल यानि नववर्ष 2025 प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के लिए छुट्टियों के लिहाज से तो बेहद खुशियों भरा रहने वाला है। क्योंकि नए साल के 365 दिनों में के 125 दिन के खूब अवकाश रहने वाले हैं। साथ ही साल भर में करीब पांच मौके तो ऐसे भी रहेंगे, जब इन कर्मचारियों को लगातार तीन से पांच दिन तक के लंबे अवकाश भी मिलने वाले हैं। यहां तक कि पहले महीने जनवरी में ही 9 अवकाश रहेंगे। इसमें 4 से 6 जनवरी तक शनिवार और रविवार के साथ गुरु गोविंद सिंह जयंती का अवकाश भी रहेगा। जबकि 10 से 14 जनवरी तक महावीर जयंती, फुले जयंती, शनि व रवि के साथ अंबेडकर जयंती का अवकाश रहेगा। वहीं फरवरी का तो महीना ही 28 दिन का है और इस महीने में भी कुल 10 अवकाश रहेंगे।

जयपुर में पुलिस अधिकारी के घर चोरी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर में एक पुलिस अधिकारी के घर चोरी का मामला सामने आया है। उनका परिवार गांव गया था। नाइट गश्त में उनकी ड्यूटी लगी हुई थी। मेन गेट का लॉक तोड़कर घुसे बदमाश लाखों रुपए के गहने-कैश चोरी कर ले गए। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। पुलिस ने बताया कि मुरलीपुरा के आर्य नगर में रहने वाले सीताराम (58) के घर चोरी हुई है। वह राजस्थान पुलिस में जयपुर में एडि. डीसीपी के पद पर कार्यरत है। 28 दिसम्बर को सुबह उनका परिवार रिश्तेदारों से मिलने गांव चला गया। 29 दिसम्बर की रात को नाइट गश्त में ड्यूटी होने के कारण वह घर लॉक कर चले गए। देर रात सूने मकान को बदमाशों ने चोरी की नीयत से निशाना बनाया। दीवार कूदकर अंदर घुसे बदमाश मेन गेट का लॉक तोड़कर अंदर घुसे। अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे लाखों रुपए के सोने-चांदी के गहने और करीब 10 हजार रुपए चोरी कर ले गए।

ट्रक-मशीन समाने वाले बोरवेल में रूका पानी-गैस का रिसाव

● कीचड़ में फंसी मशीन का एक हिस्सा आया नजर ● खेत में बन गया तालाब

जनमार्ग न्यूज

जैसलमेर। जैसलमेर के मोहनगढ़ इलाके में शुक्रवार सुबह से ट्यूबवेल फटने से बह रही जलधारा और गैस का रिसाव रविवार रात को अचानक बंद हो गया। इसके बाद कीचड़ में फंसी बोरवेल मशीन का एक हिस्सा नजर आने लगा है। वहीं खेत में 20 फीट चौड़ा खड्डा बन गया है और गंदे पानी का तालाब नजर आने लगा है। ट्रक और मशीन को खड्डे से बाहर निकालने के लिए ऑयल कंपनियों को सूचना दी गई है। उनकी क्राइसिस मैनेजमेंट की टीम के आने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जाएगा। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि ट्यूबवेल से अचानक पानी का बहाव और गैस का रिसाव बंद रविवार रात को हो गया। सुबह लोगों ने देखा तो इसकी जानकारी प्रशासन को दी। अब मौके पर जाकर हालत का जायजा लेंगे। कलेक्टर ने

बताया कि ऑयल-गैस कंपनियों की विशेषज्ञों की टीम, जो इसके सैंपल लेकर गई है, उनको भी सूचना दे दी गई है। सैंपल की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे क्या करना है इसको लेकर रणनीति बनाई जाएगी। ट्रक और मशीन को खड्डे से बाहर निकालने के लिए ऑयल कंपनियों के क्राइसिस मैनेजमेंट को सूचना दी गई है। उनके आने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जाएगा। लेकिन तब तक इस इलाके में किसी के भी आने जाने पर रोक जारी रहेगी। मौके पर 20 फीट चौड़ा खड्डा और खड्डे में बोरवेल मशीन का एक हिस्सा नजर आ रहा है। ट्रक अभी तक पानी के अंदर ही है। जैसलमेर के मोहनगढ़ स्थित चक 27 बीडी के तीन जोरा माइनर के पास मोहनगढ़ के भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विक्रम सिंह के खेत में शनिवार सुबह करीब 10 बजे बोरवेल की खुदाई की जा रही थी। करीब 850 फीट खुदाई के बाद अचानक तेज प्रेशर के साथ पानी निकलने लगा। पानी के साथ गैस का भी रिसाव होने लगा, जिससे बोरवेल खुदाई की मशीन ट्रक समेत आधी अंदर धंस गई और मौके पर कीचड़ और पानी जमा होने लगा था। शनिवार रात को ट्रक मशीन समेत पूरा जमीन में समा गया। प्रशासन ने अलर्ट होकर 500 मीटर एरिया को खाली करवा कर ओएनजीसी, केयर्न इंडिया और ऑयल इंडिया के विशेषज्ञों को मौके पर बुलाया।

हिमाचल में ढाई फीट बर्फ, 340 सड़कें बंद

जनमार्ग न्यूज

शिमला। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बर्फबारी हो रही है। हिमाचल में 340 सड़कों पर आवाजाही बंद हो गई है। छितकुल में ढाई फीट से भी ज्यादा बर्फ पड़ी है, जिससे कई टूरिस्ट फंस गए हैं। कश्मीर में बर्फबारी के चलते श्रीनगर-लेह रोड बंद है। कश्मीर यूनिवर्सिटी के एग्जाम रद्द किए गए हैं। करीब 1800 गाड़ियां फंसी हुई हैं। गांदरबल, सोनमर्ग, पहलगाम, गुंड, बारामूला समेत कई जगहों पर तापमान माइनस 10 से 22 डिग्री तक पहुंचा। यहां पर एक फीट तक बर्फबारी भी हुई, जिससे करीब 2 हजार पर्यटक अलग-अलग जगहों पर फंस गए। स्थानीय कश्मीरियों ने घर और मस्जिद के दरवाजे खोले। इन्हें रुकने की जगह दी, कंबल रजाई के साथ खाने-पीने का गर्म सामान भी दिया। उत्तराखंड के चमोली जिले में अगले 24 घंटों में 3 हजार मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर एवलांच (बर्फ ढहना) का ऑरेंज अलर्ट है।

सम्पादकीय

डांट पर आत्महत्या

पिछले कुछ समय से अक्सर ऐसी खबरें सामने आने लगी हैं, जिनमें अभिभावक ने अपने बच्चे को पढ़ाई करने के लिए थोड़ा डांटा तो बच्चा इस कदर तनाव में आ गया कि उसने आत्महत्या कर ली। अगर माता-पिता अपने बच्चे को वक्त बर्बाद न करने और पढ़ाई करने की हिदायत देते हैं, तो यह बच्चों के हित में ही होता है। मगर विडंबना है कि आजकल बहुत सारे बच्चों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जा रही है, जो उनके भावनात्मक या मानसिक रूप से बेहद कमजोर होने का संकेत देती है। बहुत मामूली बातों पर किसी बच्चे के भीतर इतना गुस्सा उभरता है कि या तो वह प्रतिक्रिया स्वरूप अपने सामने के किसी व्यक्ति को या फिर खुद को ही नुकसान पहुंचा देता है। पिछले कुछ समय से अक्सर ऐसी खबरें सामने आने लगी हैं, जिनमें अभिभावक ने अपने बच्चे को पढ़ाई करने के लिए थोड़ा डांटा तो बच्चा इस कदर तनाव में आ गया कि उसने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से शनिवार को ऐसी ही एक खबर आई, जिसमें बारहवीं कक्षा में पढ़ाई करने वाली सत्रह वर्ष की एक बच्ची को उसके पिता ने पढ़ाई करने के लिए थोड़ी डांट लगाई, तो उसके बाद बच्ची ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। इससे पहले, हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे में भी एक बच्ची ने सिर्फ इसलिए अपनी जान दे दी कि उसकी मां ने उसे ज्यादा मोबाइल देखने के बजाय पढ़ाई पर ध्यान देने को कहा। बच्चों के भीतर उभर रही इस तरह की प्रवृत्ति व्यापक चिंता का कारण बनने लगी है। यह कहा जा सकता है कि किशोरावस्था में कई स्तर पर मानसिक उथल-पुथल के नाजुक दौर से गुजर रहे बच्चों से संवेदनशीलता के साथ पेश आना चाहिए। लेकिन इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि बच्चों के भीतर सहनशीलता और धैर्य की इस कदर कमी होने के पीछे कौन-सी परिस्थितियां और वजहें जिम्मेदार हैं कि वे अपने अभिभावकों की वैसी बातों पर भी काबू खो बैठते हैं, जो उनके हित के लिए कही गई होती हैं। मानवीय व्यवहार की कसौटियां और आधुनिक तकनीकी के संजाल के बीच इस जटिल होती समस्या पर समय रहते विचार करने की जरूरत है कि बच्चों के साथ बर्ताव और उनके भीतर प्रतिक्रिया के मामले में किस तरह एक संतुलित और परिपक्व समझ का विकास किया जा सकता है।

युवाओं में राजनीति के प्रति हिचक क्यों?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 26 दिसंबर को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार ' समारोह को संबोधित करते हुए युवाओं से राजनीति में आने का एक बार फिर आव्हान किया है। गौरतलब है कि इसी साल स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को लालकिले के प्राचीर से भी प्रधानमंत्री ने एक लाख ऐसे युवाओं को राजनीति में आने की अपील किया था जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। प्रधानमंत्री का यह आव्हान देश को जातिवादी और वंशवादी राजनीति से छुटकारा दिलाने के लिए है। बहरहाल यह पहली मर्तबा नहीं है जब देश के किसी प्रधानमंत्री या राजनीतिक दल ने युवाओं को राजनीति में शामिल होने के लिए प्रेरित किया हो। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी का भी मानना था कि देश के निर्माण और विकास में युवाओं की सत्ता में भागीदारी आवश्यक है। इसी मंशा को लेकर उनकी सरकार ने साल 1988 में संविधान के 61वें संशोधन के द्वारा मताधिकार की उम्र को 21 से घटाकर 18 वर्ष किया था।इस फैसले को 24 मार्च 1989 से लागू किया गया जिसके अनुसार 18 वर्ष के युवा लोकसभा सदस्य, विधायक से लेकर अन्य निकायों के जनप्रतिनिधि चुन सकते हैं। राजीव भी चाहते थे कि देश के युवाओं की पंचायत से लेकर संसद तक सक्रिय भागीदारी हो लेकिन देश की राजनीतिक व्यवस्था में युवा अभी भी हाशिए पर हैं।

गौरतलब है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी बदलाव चुनाव के द्वारा ही संभव है लेकिन राजनीति और चुनाव के प्रति युवाओं की उदासीनता के चलते देश की राजनीतिक व्यवस्था को वैसी दिशा नहीं मिल रही है जितनी उम्मीद थी। भारत युवा आबादी के मामले में दुनिया का अव्वल देश है जहां की 65 फीसदी आबादी पैंतीस साल के तथा 50 फीसदी आबादी पच्चीस साल के हैं। एक जानकारी के मुताबिक भारत की औसत आयु 25 साल है जो चीन से 10 साल और अमेरिका से 15 साल कम है।अलबत्ता विशाल आबादी के बावजूद लोकसभा और विधानसभाओं में युवाओं की हिस्सेदारी बहुत कम है। साल 1952 में देश के प्रथम लोकसभा में 26 फीसदी सांसद 40 साल से कम उम्र के थे तथा अब तक के संसदीय इतिहास में लोकसभा में सबसे ज्यादा 40 साल से कम उम्र वाले 35 फीसदी सांसद 1957 में दूसरे लोकसभा में रहे हैं। लोकसभा में युवाओं का इतना सर्वाधिक प्रतिनिधित्व तब था जब देश में युवाओं की आबादी आज की तुलना में बहुत कम था। विरोधाभास यह कि आज जब देश दिनों-दिन युवा हो रहा है तब हमारा संसद लगातार बूढ़ा होने लगा है। पिछले 17 वीं लोकसभा में युवाओं की

भागीदारी महज 12 फीसदी थी जिसमें से 7 फीसदी युवाओं के ताल्लुकात राजनीतिक वारिस के तौर पर था मतलब इनकी पृष्ठभूमि राजनीतिक परिवार की थी। अमूमन वर्तमान यानि 18 वीं लोकसभा के हालात भी पिछली लोकसभा जैसी है लेकिन इस बार 7 सांसद 29 साल से कम उम्र के हैं।इन परिस्थितियों में युवा मताधिकार के तीन दशकों के बाद भी देश के राजनीति और लोकतंत्र में आशातीत बदलाव नहीं आया है। दूसरी ओर देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां युवाओं को अपनी पार्टी में बढ़ावा देने का वादा तो बढ़ चढ़कर करतीं हैं लेकिन चुनाव के दौरान टिकट बांटते समय हकीकत कुछ और ही होती है। अधिकांश पार्टियां चुनावी टिकट बांटते समय ऐन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने के जुगत के चलते अपने युवा कार्यकर्ताओं की जगह जाति, धर्म और क्षेत्रवाद को तरजीह देते हैं फलस्वरूप युवाओं में हताशा पनप रहा है।दूसरी ओर पार्टियों में जारी धनबल, भ्रष्ट आचरण और बाहुबल के बढ़ते दखल के चलते युवाओं की दिलचस्पी चुनावी राजनीति में बहुत कम है फलस्वरूप उपरोक्त विसंगतियां दिनों दिन जड़ें जमा रहीं हैं जो लोकतंत्र की मर्यादा को कलुषित कर रही है। इन बुराईयों को दूर करने के लिए युवाओं को चुनावी राजनीति का हिस्सा बनना ही होगा आखिरकार वे ही भारत के भाग्य विधाता हैं।

गौरतलब है कि मतदान की आयु भले ही 18 साल है लेकिन विधानसभा और लोकसभा के चुनाव लड़ने की आयु 25 वर्ष है जबकि निकाय चुनावों के लिए यह अहर्ता 21 साल की है। सियासी गलियारों में गाहे-बगाहे लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने की आयुसीमा घटाने की मांग उठती रहती है जो जायज भी है।बीते साल एक संसदीय समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने की उम्र 25 साल से घटाकर 18 साल करने की सिफारिश की है। दूसरी ओर पिछली लोकसभा में राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी तथा राज्यसभा में आम आदमी पार्टी 'आप' के सदस्य राघव चड्ढा ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए आयुसीमा 21 साल करने संबंधी निजी विधेयक पेश किया है। इस मांग का समर्थन अन्य राजनीतिक दल भी कर रहे हैं।इन दलों की दलील है कि अगर नगरीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के लिए चुनाव लड़ने की उम्र 21 साल है तब लोकसभा और विधानसभा के लिए 25 साल क्यों होना चाहिए? तर्क यह भी है कि यदि 18 साल की उम्र में युवा वोट डालकर सरकार चुन सकता है तो वह खुद सरकार में क्यों शामिल नहीं हो सकता? गौरतलब है कि युनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया, जर्मनी,कनाडा, स्वीटजरलैंड, स्वीडन, डेनमार्क और बेल्जियम में संसद की सदस्यता के लिए न्यूनतम आयु 18 साल है। अलबत्ता भारत में संसद और विधानसभा चुनाव लड़ने की उम्र घटाने की मांग इसलिए भी वाजिब है क्योंकि भारत भले ही आज औसत आयु के लिहाज से दुनिया का सबसे नौजवान देश है लेकिन साल 2030 के बाद देश की औसत आयु बढ़नी शुरू हो जाएगी लिहाजा आने वाले 7-8 सालों में युवाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में जनप्रतिनिधि के रूप में पहुंचने और सरकार का हिस्सा बनने का मौका जरूर मिलना चाहिए।

विचारणीय है कि विधायिका में नई पीढ़ी की भागीदारी बढ़ाने के लिए युवाओं को राजनीति के प्रति अपनी उदासीनता त्यागनी होगी। एक संस्था सीएसडीएस - लोकनीति के सर्वेक्षण के मुताबिक 46 फीसदी युवा राजनीति के प्रति रूचि नहीं रखते वहीं तीन चौथाई यानि 75 फीसदी युवा किसी भी प्रकार के चुनावी गतिविधियों में शामिल नहीं होना चाहते।युवाओं के राजनीति के प्रति अरुचि का अहम कारण सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां है।आमतौर पर अभिभावकों और शिक्षाविदों का मानना है कि युवाओं को राजनीति के पचड़े में नहीं पड़ना चाहिए।यह भी सच है कि राजनीति एक महंगा और जोखिम भरा क्षेत्र है जिसमें सफलता की गारंटी लगभग अनिश्चित रहती है।इन सब मिथकों और मजबूरियों के कारण ही युवा राजनीति से दूर हो रहे हैं लेकिन इसका दुष्परिणाम हमारे राजनीतिक व्यवस्था में दिखाई दे रहा है।

युवाओं से अपेक्षा है कि वे अपने कैरियर के साथ -साथ राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव का हिस्सा बनें क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव ही ऐसा साधन है जिसके जरिए लोगों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन और बेहतर रोजगार मुहैया कराया जा सकता है।देश के राजनीतिक इतिहास के पन्ने पलटें तो भारत के आजादी के आंदोलन से लेकर आजाद भारत में ऐसे जनांदोलन हुए हैं जिसे युवाओं ने ही मजबूती दी थी। इन आंदोलनों ने देश की दशा और दिशा दोनों बदल दी थी लिहाजा युवाओं को अपनी भूमिका राजनीतिक क्षेत्र में भी सुनिश्चित करनी होगी ताकि देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था में नवाचार, नवोन्मेष और नवविचार का समावेश संभव हो सके।

अपनी समस्याओं का हल चाहते हैं दिल्ली के मतदाता

चुनावी मौसम आते ही वादों और इरादों की बौछार शुरू हो जाती है। हर पार्टी मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणाओं की लंबी फेहरिस्त पेश करती है। लेकिन दिल्ली के मतदाता अब सवाल कर रहे हैं कि उनके मूलभूत अधिकारों और आवश्यकताओं का ध्यान कौन रखेगा? बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण आम लोगों का जीवन आज भी संघर्षपूर्ण है। यही कारण है कि दिल्ली के नागरिक अपनी आवश्यकताओं के प्रति जागरूक हो चुके हैं और चाहते हैं कि जो भी सरकार बने, वह उनकी वास्तविक समस्याओं का समाधान करे। दिल्ली के कई इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का बेहद अभाव है। कई कच्ची कॉलोनियां हैं, जो कहने को तो पक्कीकरण का दर्जा मिल गया है लेकिन सुविधाएं नदारद हैं। कई इलाकों में तो वहां के निवासियों को इलाज की सुविधाएं नहीं। इससे मरीजों और उनके परिवार वालों को आर्थिक और मानसिक तनाव झेलना पड़ता है। उदाहरण के तौर बाहरी दिल्ली के जय विहार, हरफूल विहार या नंगली विहार एक्सटेंशन के लोगों को ही लें, यहां के लोग इलाज के लिए 12 से 15 किलोमीटर दूरी पर सरकारी अस्पताल में जाते हैं। वहीं शिक्षा की बात करें तो सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी कई क्षेत्रों में उच्च शिक्षा और कौशल विकास के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। मतदाता चाहते हैं कि नई सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे। स्कूलों की शिक्षा को और बेहतर बनाया जाए ताकि महंगे और निजी स्कूलों की बड़ी फीस से मध्यमवर्गीय परिवार को राहत मिल सके। जहां तक साफ-सफाई की बात है, इसके लिए नगर निगम स्तर पर चुस्ती बरतनी होगी। दिल्ली में स्वच्छता की स्थिति हर जगह संतोषजनक नहीं है। कई इलाकों में टूटी नालियां और सड़कों पर कचरे का ढेर आम दृश्य बन गए हैं। नालियों की सफाई के अभाव में गंदगी फैलती है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ता है। राजधानी के कई क्षेत्रों में पीने के पानी की गुणवत्ता खराब है। यहां गंदा पानी पीने को लोग मजबूर हैं, जिससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। प्रदूषण से इस बार दिल्ली ज्यादा हलकान रही। हालांकि पिछले कई सालों से प्रदूषण की समस्या रही है। लेकिन दिल्ली या केंद्र सरकार इस पर अधिक गंभीरता नहीं दिखाई। हवा की गुणवत्ता इतनी खराब रही कि दुनिया भर में इसकी चर्चा हुई। लोग बीमार हुए। बढ़ते प्रदूषण के खतरे और भविष्य में इसके उपायों के मद्देनजर सरकार को पुख्ता समाधान करना चाहिए। सड़कों की खराब हालत भी एक बड़ी समस्या है। कई इलाकों में नई सड़कें अधूरी पड़ी हैं और पुरानी सड़कों पर गड्ढे दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। साथ ही, स्ट्रीट लाइट्स की खराब स्थिति से अंधेरे में राहगीरों को असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में अपराध की घटनाएं इन दिनों बढ़ी हैं। आम लोग मानते हैं कि दिल्ली पुलिस को और मुस्तैदी बरतने की जरूरत है। वहीं इस बार मतदाता चाहते हैं कि सड़क और बिजली की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द हो। राजधानी शहर के कई बड़े हिस्से में सार्वजनिक सुविधाओं का अभाव है। शहर की कई कॉलोनियों में बारात घर, पार्क और सामुदायिक केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव भी एक गंभीर समस्या है। जय विहार, हरफूल विहार और नंगली विहार जैसे इलाकों में पार्क नहीं होने के कारण बच्चे खेलने से वंचित हैं और बुजुर्गों को टहलने की सुविधा नहीं है। बारात घर न होने से सामूहिक आयोजनों के लिए लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इन सुविधाओं की कमी को दूर करना नई सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। दिल्ली, देश की राजधानी होने के बावजूद, कई मामलों में पिछड़ी हुई नजर आती है। दिल्ली के लिए मास्टर प्लान तो बनाया गया है, लेकिन उसका सही तरीके से क्रियान्वयन नहीं हो पाया है। मतदाताओं का मानना है कि धरातल पर काम होना चाहिए और योजनाओं को समय पर पूरा किया जाना चाहिए। दिल्ली के मतदाताओं का कहना है कि केवल वादों से काम नहीं चलेगा। जो भी पार्टी उनकी समस्याओं का समाधान करने का ठोस खाका प्रस्तुत करेगी और उसे अमल में लाएगी, वही उनका समर्थन पाने की हकदार होगी। दिल्ली के मतदाता बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं, अच्छी सड़कें, स्ट्रीट लाइट, और सामुदायिक केंद्र जैसी जरूरतों का ध्यान रखा जाना चाहिए। यदि नई सरकार इन समस्याओं को गंभीरता से लेती है और उन्हें हल करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करती है, तो निश्चित रूप से उसे जनता का समर्थन मिलेगा। आखिरकार, राजधानी का विकास देश के विकास का प्रतीक है।

ईश्वरीय शक्ति हर प्राणी के भीतर है मौजूद

सत्कर्म, जिनसे तुम्हें पुण्य मिलता है। तुम जब किसी के लिए कुछ अच्छा करते हो और वो तुम्हें हृदय से धन्यवाद करते हैं तब तुम्हें उसका पुण्य मिलता है। यही सत्कर्म है। दूसरे तरह के ऐसे कर्म जिनसे तुम्हें पाप मिलता है। तुम किसी के साथ कुछ करते हो, उन्हें दुःख, घुटन और परेशानी होती है, तब तुम पाप के भागी होते हो। मिश्रित फल वाले कर्म मिश्रित फल देते हैं। ऐसे कुछ कर्म जिनका फल पाप और पुण्य, दोनों का मिश्रण होता है। ऐसे कर्म, जो तटस्थ परिणाम देते हैं, जो पाप और पुण्य, दोनों ही नहीं देते हैं। जैसे तुम सुबह सैर करने जाओ, उससे न पाप है न पुण्य। वह कर्म मात्र है। तुम किसी कमरे की सफाई कर रहे हो, इसका भी कोई पाप पुण्य नहीं है। परंतु यही कर्म तुम यदि किसी की सहायता के लिए करो तब उससे पुण्य प्राप्त होता है। कृष्ण कहते हैं, तुम किसी की भी प्रार्थना करो, सब मुझ तक ही आना है क्योंकि मैं ही अस्तित्त्व का केंद्र हूं। तुम किसी की कहीं भी आराधना करो, वह मन को घुलाने का कार्य मात्र है। जैसे एक मीठी गोली पानी में घुल जाती है, वह जैसे भी पानी में जाए, इससे कुछ अंतर नहीं पड़ता, उसे तो पानी में घुलना ही होता है। पूजा भी इसी तरह अपने मन को अस्तित्त्व के साथ एकाकार करने का कार्य है।

सत्संग की महिमा, जब मैं त्यागें तो सब दुख भागें

एक व्यक्ति सत्संग से बाहर निकला और जोर-जोर से हंसने लगा। पास खड़े गुरसिख ने पूछा, क्या हुआ बहुत खुश हो, तुम्हें क्या मिल गया है? उसने कहा, आज से मुझे कोई हरा नहीं सकता। मैं किसी से हारूंगा नहीं। दूसरे ने पूछा, अरे भाई मुझे भी बताओ ऐसी क्या बात है? आप कभी हारेंगे कैसे नहीं? तो पहले ने कहा, बड़ा आसान उपाय है। सामने वाले के पांव पकड़ लो और धन निरंकार कह दो, सामने वाला दयालु हो जाएगा। आशीर्वाद मिलेगा और अपनी मैं की भावना भी मिटेगी। अगर नम्रता का गुण होगा तो कभी कोई झगड़ा नहीं होगा, तकरार नहीं होगी, प्यार ही प्यार होगा। रोज सत्संग में आओ, दंडवत नमस्कार करना शुरू करो, आप अपनी मैं को खोज नहीं पाओगे। सत्संग से हमें यही शिक्षा मिलती है कि आनंद में रहो, खुश रहो। जब मैं त्यागें तो सब दुख भागें। दौड़-दौड़ कर सत्संग में आओ, दुख आपसे दौड़ जाएंगे। आनंद में रहने की आदत बन जाएगी। प्रातःकाल का सत्संग जीवन में अनेक लाभ देता है। प्रातःकाल जल्दी उठकर स्नान आदि करके सत्संग में जाना अच्छी आदत होती है जिससे सारा दिन अच्छा गुजरता है। जैसे सुबह एक बार स्कूटर की टंकी तेल से फुल कर लें, तो सारे दिन की चिंता खत्म हो जाती है। जहां जाना होता है, घूमते फिरो, पेट्रोल डलवाने की चिंता नहीं। इसी प्रकार सुबह संतों के दर्शन हो जाएं और सद्गुरु का आशीर्वाद मिल जाए, तो सारा दिन खुशी-खुशी आनंद से कटता है।

न्यू ईयर सेलिब्रेशन में महिलाएं रहें सावधान

साल 2024 खत्म होने वाला है। हम सभी पुराने साल की यादों को समेटे नए साल के स्वागत के लिए तैयार हैं। आमतौर पर लोग न्यू ईयर ईव पर पार्टी करना पसंद करते हैं। खासकर युवाओं में इसे लेकर काफी उत्साह देखने को मिलता है। पुराने साल के फेयरवेल और नए साल के वेलकम के लिए रेस्टोरेंट, होटल, क्लब और पब में देर रात तक पार्टियां चलती हैं। इसमें महिला और पुरूष दोनों शामिल होते हैं। हालांकि एंजॉयमेंट के साथ-साथ सुरक्षा भी बहुत जरूरी है। कई बार इन पार्टियों में महिलाओं के साथ आपराधिक घटनाओं की खबरें सामने आती हैं। इसलिए महिलाओं को न्यू ईयर पार्टी के दौरान अतिरिक्त सावधानी और सतर्कता बरतनी चाहिए। आमतौर पर लोग पार्टी में जाते समय अपने करीबियों को सही जानकारी नहीं देते हैं। यह कई बार मुसीबत का कारण बन सकता है। इसलिए हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि चाहे न्यू ईयर पार्टी हो या कोई इवेंट, हमेशा अपने करीबियों को सही जानकारी दें। उन्हें कुछ बातें जरूर बताएं। आप कहां जा रहे हैं, किसके साथ जा रहे हैं और कब तक लौटकर आएंगे। पार्टी में साथ जाने वाले दोस्त का नाम, नंबर अपने करीबी लोगों के साथ जरूर शेयर करें। ताकि कोई इमरजेंसी होने पर कॉन्टैक्ट किया जा सके। अगर पार्टी के बाद कहीं और जाने का मन बना रहे हैं तो उसके बारे में भी जरूर बताएं। अगर आप किसी ऑटो या टैक्सी से न्यू ईयर पार्टी में जा रही हैं तो अपने मोबाइल में जीपीएस ऑन करके रखें। साथ ही ऑटो या टैक्सी का नंबर अपने करीबियों के साथ जरूर शेयर करें। इसके अलावा कुछ अन्य बातों का भी ध्यान रखना जरूरी है। न्यू ईयर पार्टी की प्लानिंग लोग कई दिनों पहले से करना शुरू कर देते हैं। इसके लिए कहां जाना है, किसके साथ जाना है और कैसे पार्टी करनी है, सब कुछ पहले से ही तय करना जरूरी है। किसी भी पार्टी में जाने से पहले यह सुनिश्चित करें कि वहां किस तरह के लोग शामिल होंगे। उदाहरण के लिए अगर आप शराब नहीं पीती हैं तो ऐसी पार्टी में शामिल होने से बचें, जहां शराब पीने वाले लोग शामिल होंगे। इसके अलावा ध्यान रखें कि अकेले किसी पार्टी में न जाएं। हमेशा करीबी दोस्तों के साथ ही पार्टी में जाएं। इसके अलावा अपनी सेफ्टी के लिए ग्राफिक में दी गई इन बातों का ध्यान रखें। न्यू ईयर पार्टी में शराब पीने से बचें। अगर आप शराब पीती हैं तो अपना ड्रिंक अपने सामने ही बनवाएं। अपनी क्षमता के मुताबिक ही ड्रिंक करें। इसके अलावा किसी के बहकावे में न आएं। अनजान व्यक्ति के द्वारा ऑफर की गई शराब न लें। आज के दौर में सोशल मीडिया युवाओं की जिंदगी अहम हिस्सा बन गया है। अक्सर लोग वॉट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे ऐप्स पर अपनी पल-पल की अपडेट देते हैं। महिलाओं को सोशल मीडिया पर पार्टी का लाइव

अपडेट नहीं देना चाहिए। इससे आपकी प्राइवेसी और सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसके बजाय आप अपने अनुभवों और तस्वीरों को बाद में शेयर कर सकती हैं। अपने बैग में पेपर स्प्रे रखने से आप अपनी सुरक्षा और आत्मरक्षा को बढ़ा सकती हैं। खासकर जब आप वे अकेली हैं या अनजान लोगों के बीच हैं तो पेपर स्प्रे एक सुरक्षा उपकरण का काम कर सकता है। अनजान लोगों के इरादे क्या हैं, यह जानना मुश्किल होता है। वे आपके साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं या आपको खतरे में डाल सकते हैं। इसलिए महिलाओं को पार्टी में अनजान लोगों से दूरी बनानी चाहिए। पार्टी में आने-जाने के लिए टैक्सी या कैब का इस्तेमाल करें। किसी भी अनजान व्यक्ति से लिफ्ट न मांगें। इसके अलावा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। न्यू ईयर पार्टी में शामिल होने के लिए आप जिस होटल, क्लब या रेस्टोरेंट में जा रही हैं, उसका नंबर और लोकेशन पता होना जरूरी है। इसके अलावा अपने फैमिली मेंबर, दोस्त, इमरजेंसी के लिए पुलिस हेल्प, एम्बुलेंस का नंबर भी मोबाइल में सेव रखना चाहिए। मोबाइल में एक इमरजेंसी कॉलिंग सुविधा होती है, जिससे इमरजेंसी में बिना फोन लॉक खोले कॉल की जा सकती है। इस सुविधा को इमरजेंसी स्क्वेर कहते हैं। यह सुविधा आईओएस और एंड्रोयड स्मार्टफोन दोनों में उपलब्ध है। इसका इस्तेमाल करने के लिए आपको अपने फोन की सेटिंग में जाकर इमरजेंसी कॉन्टैक्ट नंबर दर्ज करना होता है। आपातकालीन स्थिति में इमरजेंसी बटन थोड़ी देर पुश करने पर अपने आप इमरजेंसी कॉन्टैक्ट नंबर कॉल चला जाता है। हर मोबाइल के अनुसार इमरजेंसी बटन अलग अलग हो सकता है।

CMYK

जनमार्ग सिटी न्यूज

JANMARG news

श्रीगंगानगर, सोमवार, 30 दिसम्बर 2024

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर निकाला नगर कीर्तन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। रविवार को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में जंक्शन के सुरेशिया स्थित गुरुद्वारा श्री कलगीधर साहिब से नगर कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ प्रातः पंज प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने वाहेगुरु का जाप करते हुए नगर कीर्तन में भाग लिया और पूरे मार्ग को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। नगरकीर्तन में रागी जत्था विशाल सिंह, वीरेंदर सिंह, दाढ़ी खुमण सिंह, बीबी रुपिंदर कौर ने शब्द कीर्तन किया। नगर कीर्तन के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कीर्तन का स्वागत किया। जंक्शन वार्ड 54 में हिन्द पार्क के समीप नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय विधायक गणेशराज बंसल, पार्षद सुनील अमलानी, मास्टर निर्मल सिंह और कुलदीप गर्ग ने समस्त वार्डवासियों के साथ मिलकर नगरकीर्तन का स्वागत करते हुए क्षेत्र की सुख स्मृद्धि की अरदास की। पंज प्यारों का सरोपा देकर उनका अभिनंदन किया। यहां पर भव्य भंडारा आयोजित किया गया, जहां श्रद्धालुओं ने गुरू का लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

विधायक गणेशराज बसंल ने कहा कि वाहेगुरू नाम के जाप से ही शरीर में आध्यात्मिक ऊर्जा पैदा होती है और जहां जहां से नगरकीर्तन निकला है वहां वहां सकारात्मक ऊर्जा फैलती हुई क्षेत्र को खुशहाल बनाने में काम करेगी। नगर कीर्तन का आयोजन न केवल धार्मिक उत्सव है, बल्कि यह समाज में आपसी भाईचारे और सद्भावना का संदेश भी प्रसारित कर गया। इस आयोजन ने पूरे हनुमानग? क्षेत्र में आध्यात्मिक और सामाजिक ऊर्जा का संचार किया। श्रद्धालुओं ने वाहेगुरु का नाम लेकर इस उत्सव को यादगार बना दिया। गुरुद्वारा श्री कलगीधर साहिब के प्रधान जसपाल सिंह और सचिव बलदेव सिंह ने जानकारी दी कि इस प्रकाश पर्व के तहत निकाले गए नगर कीर्तन में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। उन्होंने बताया कि प्रकाश पर्व के अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। 4 जनवरी को श्री अखंड पाठ का प्रकाश किया जाएगा, जिनके भोग 6 जनवरी को संपन्न होंगे। इसके साथ ही 5 जनवरी की रात्रि को खुले दीवान का आयोजन किया जाएगा, जिसमें गुरप्रीत सिंह खालसा संगत को गुरबाणी से आनंदित करेंगे। 6 जनवरी को आयोजित विशाल समागम में अमृतसर साहिब से आए ग्रंथी भाई केवल सिंह गुरबाणी का पाठ करेंगे और संगत को निहाल करेंगे। इन आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालु वाहेगुरु जी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करेंगे और गुरुदेव के उपदेशों को आत्मसात करेंगे। इस मौके पर सोहन सिंह, मनप्रीत सिंह, गुरजंट सिंह, पार्षद सुनील अमलानी, कुलदीप कुमार गर्ग, जगसीर सिंह, निर्मल सिंह मास्टर, सुखपाल सिंह थानेदार, कुलदीप सिंह बरा?, विकास सिंहमार, निर्भय सिंह, अमन गर्ग, ग्रंथी सुखविंदर सिंह, बूटा सिंह, निर्मल सिंह, गुरनाम सिंह, कुलदीप सिंह, कुन्दन सिंह, जगसीर सिंह, संदीप सिंह,राजवीर सिंह,हरमन गरचा , मलकीत मान , सुरजीत मान , राजू भनोट , कृष्ण बुडानिया, विक्रम मान, अमन गरचा, हरपाल सिंह, सूर्य प्रकाश जोशी, अनंत राम वर्मा, गोपी राम मुंड, मदन गोदारा, संजय शर्मा मौजूद थे।

लॉन टेनिस प्रतियोगिता में जमना टेनिस कप में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

शानदार खेल कौशल द्वारा चार राउंड जीते व सेमीफाइनलिस्ट रही

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर के लॉन टेनिस खिलाड़ियों ने जमना टेनिस कप-2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके गौरवांवित किया है। मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष समाजसेवी विविध बिहाणी के नेतृत्व में श्रीगंगानगर के लॉन टेनिस खिलाड़ियों ने जयपुर स्थित जमना टेनिस क्लब में आयोजित तीन दिवस जमना टेनिस कप-2024 में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विविध बिहाणी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में श्रीगंगानगर सहित मुम्बई, सूरत, दिल्ली, झझर, कोयम्बटूर आदि स्थानों से 16 लॉन टेनिस टीमों ने भाग लिया। श्रीगंगानगर से विविध बिहाणी के नेतृत्व में उनकी टीम के लॉन टेनिस खिलाड़ी कैलाश प्रजापत, जितेंद्र व्यास, संजय बंसी माथुर, मनीष सेठिया व रमेश देदड़ ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए चार राउंड जीते तथा सेमीफाइनलिस्ट रही। सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी तथा 31 हजार रूपये की नकद राशि पुरस्कारस्वरूप प्रदान की गई। आयोजकों सहित खेल प्रेमियों ने श्रीगंगानगर की लॉन टेनिस टीम के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन तथा खेल भावना की मुक्तकंठ से सराहना की गई। इस अवसर पर लॉन टेनिस खिलाड़ी तथा खेल प्रेमी उपस्थित थे।

जय मां सरस्वती संगीत समिति की बैठक सम्पन्न

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। दुर्गा मंदिर धर्मशाला में आज जय मां सरस्वती संगीत समिति हनुमानगढ़ की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कैलाश बेताब ने की.बैठक में हनुमानगढ़ के सभी कलाकर पहुंचे और नव कार्यकारिणी का गठन किया गया।बैठक में जिला के पदाधिकारियों व नगर जंक्शन टाउन के पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। जिसमें जय मां सरस्वती सगीत समिति हनुमानगढ़ के संस्थापक पवन पंछी व नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नरेश कुमार बमनिया को बनाया गया।जिला उपाध्यक्ष पद पर विक्रम अठवाल ,जिला सचिव मुन्ना अठवाल,जिला उपसचिव अमित राजपूत,जिला कोषाध्यक्ष लवकेश कंण्डा,जिला सह कोषाध्यक्ष सुनील सारस्वत,जिला प्रेस प्रवक्ता वीरू खन्ना ,ईशु जुनेजा, जिला संगठन मंत्री मनीष अठवाल,जिला अध्यक्ष कार्यक्रम प्रभार रेमो कुमार ,जिला उपाध्यक्ष कार्यक्रम प्रभार रमेश कुमार ,जिला जागरण मण्डल प्रभार दीपक गोयल ,विजय सिंगला ,जिला मुख्य सलाहकार पण्डित गिरिराज शर्मा ,गुरसेवक अली ,नगर अध्यक्ष टाउन विनोद कुमार व नगर अध्यक्ष जंक्शन राधेश्याम भारद्वाज को नियुक्त किया। बैठक में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नरेश कुमार ने आने वाली सरस्वती जयंती की तैयारियों को लेकर चर्चा की।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह को कांग्रेसजनों ने मौन रखकर किए श्रृद्धासुमन अर्पित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहनसिंह को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित शोक सभा में उपस्थित कांग्रेसजनों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी पुष्पांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर पूर्व विधायक राजकुमार गौड़ के पुत्र विकास गौड़ व वरिष्ठ कांग्रेस नेता अर्जुन राजपाल सहित कांग्रेस कार्यकर्ता नरेश मोंगा, दीपक मिड्ढा, जितेन्द्र %शैंकी% जसूजा व रवि चुघ तथा अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। पूर्व प्रधानमंत्री व अर्थशास्त्री सरदार मनमोहनसिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विधायक पुत्र विकास गौड़ ने कहा कि मनमोहनसिंह के निधन से देश ने एक महान अर्थशास्त्री और कांग्रेस पार्टी ने एक कुशल राजनीतिज्ञ का मार्गदर्शन खो दिया है।

सैकिंड ग्रेड टीचर का एग्जाम और ठिठुरते बच्चे : बाबा दीप सिंह गुरद्वारे के सेवादारों ने लगाया गर्म दूध का लंगर

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। आज सुबह से ही हजारों की तादाद में बच्चे वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा देने के लिए दूर दराज के क्षेत्रों ने पेपर देने गंगा नगर आये थे। सूर्यदेव के प्रगट न होने के कारण अत्यधिक ठंड का प्रकोप था। परीक्षा केंद्रों में बच्चे ठंड से ठिठुरते हाथों से परीक्षा दे रहे थे। कईयों की तो कंपकपी छूटने का नाम ही नही ले रही थी। बल्लूराम गोदारा कालेज व श्री गुरुनानक गर्ल्स कॉलेज के बाहर मोटर साइकिल सर्विस सैंटर के मालिक संदीप सिंह को जब इस बात का पता चला। तो तुरंत गुरद्वारा बाबा दीप सिंह जी के सेवादारों ने सेवा का मोर्चा संभाला। और तीन किवंटल दूध गर्म करके कालेजों के बाहर पहुंच गए।

गुरद्वारा के मुख्य सेवादार तेजिंदर पाल सिंह टिम्मा ने बताया कि परीक्षा देकर कालेज से बाहर निकले बच्चों व उनके अभिवाकों के लिए भयंकर सर्दी के आलम में गर्म गर्म दूध बहुत ब?ी राहत थी। बच्चों और अभिवाकों ने सभी सेवादारों को साधुवाद देते कहा कि हम सभी सेवादारों के हमेशां आभारी रहेंगे। कि जब भी बच्चों को रहने की, लंगर की जब भी जरूरत महसूस हुई तो गुरद्वारा बाबा दीप सिंह के दरवाजे हमेशां ही खुले मिले। और आज तो ठंड के प्रकोप में तो सेवादारों ने दिल ही लूट लिया। बच्चों अभिवाकों सहित कालेज स्टाफ के ने भी सभी सेवादारों की भूरी भूरी प्रशंसा की। कि जो हर मुश्किल समय समाज के हर वर्ग जे साथ ख? होते हैं। आज सेवादारों की टीम में हरप्रीत सिंह बबलू, संदीप सिंह, गुरप्रीत सिंह,अमरजीत सिंह शैरी,अमनप्रीत सिंह मोनू ढिल्लों,मनमोहन सिंह मनी, हरसिमरन सिंह, अजय सिंह,प्रितपाल सिंह,मनप्रीत सिंह सोही,गुरदीप सिंह, जयदीप सिंह,हरकोमल सिंह,गुरसेवक सिंह, मानक सिंह व सिमरन कौर ने अपनी सेवाएं दी।

गंगनहर में पूरे पानी और फिरोजपुर फीडर की निर्माण को लेकर किसान एकजुट

जनमार्ग न्यूज

दौलतपुरा। गंगनहर में पूरे पानी और फिरोजपुर फीडर के अतिशीघ्र निर्माण को लेकर 30 दिसम्बर को महाराजा गंगासिंह चौक पर होने वाले अनिश्चितकालीन पड़ाव को लेकर किसान नेताओं ने गांवों का दौरा किया। एवं किसानों से अधिक से अधिक संख्या में गंगासिंह चौक पर पहुंचने के लिए किसानों से संपर्क किया। दौलतपुरा में किसान नेता सुभाष सहगल ने दौरा किया और किसानों से मुलाकात की। मीटिंग में लादूराम साहू, सोहनलाल सहारण,रामकुमार सहारण, कपिल सहारण, सुभाष सहारण,बलराम ढाका, राजेंद्र बुगालिया,अनिल गोदारा,निर्मल दंदीवाल आदि किसान मौजूद रहे। समय समय पर आन्दोलन में दौलतपुरा,संगतपुरा, 10क्यू, 8क्यू, सुंदरपुरा से सैकड़ों किसान पहुंचकर आंदोलन को मजबूती देते रहे हैं।

बाबा मोतीराम मेहरा की शहादत को समर्पित धार्मिक समागम आयोजित

श्रीगंगानगर। अमर शहीद बाबा मोतीराम मेहरा कश्यप समाज समिति श्रीगंगानगर के तत्वावधान में रविवार को बाबा मोतीराम मेहरा की शहादत को समर्पित विशाल धार्मिक समागम जी. ब्लॉक स्थित गुरूद्वारा गुरूनानक दरबार में आयोजित किया गया। समिति अध्यक्ष तारासिंह मेहरा ने बताया कि समागम के दौरान रविवार सुबह 11 बजे सहज पाठ का भोग तत्पश्चात कीर्तन व कथा का शुभारंभ हुआ जो दोपहर 2:30 बजे तक चला जिसमें ज्ञानी गुरप्रीत सिंह जैतसर साबका प्रचारक शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर व श्री गुरूद्वारा गुरूनानक दरबार के हजूरी रागी जत्था द्वारा कथा-कीर्तन से संगत को निहाल किया। समागम के दौरान दूध व गुरू का लंगर अटूट बरताया गया।

समागम के दौरान बड़ी संख्या में मेहरा कश्यप समाज की संगत उपस्थित रही। समाज के दौरान सेवाएं देने वाले समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों प्रसन्न सिंह, अंग्रेज सिंह जगिन्द्र सिंह ऐलनाबाद, मखन सिंह अबोहर, परमजीत सिंह, संदीप सिंह, हरप्रीत सिंह, सतपाल सिंह, सुरेन्द्र सिंह, हरपाल सिंह, मनोहर सिंह, जीत सिंह, सतनाम सिंह, कश्मीर सिंह, अमरजीत सिंह, मलकीत सिंह सहित अन्य को स्मृति चिन्ह देकर व ज्ञानी गुरप्रीत सिंह जैतसर को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया।

पौष बड़ा महोत्सव मनाया

श्रीगंगानगर। वृंदावन विहार में रविवार शाम को मनाए गए पौष बड़ा महोत्सव में नव वर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं दी गईं। सामाजिक कार्यकर्त्ता महेश पेड़ीवाल ने सभी का स्वागत किया। सोसायटी के अध्यक्ष जितेन्द्र सेढ़ा, सतीश गोयल, डॉ. नरेश पेड़ीवाल, डॉ. आदित्य पेड़ीवाल सहित काफी जने इसमें मौजूद थे।

कल श्री श्याम हनुमान संकीर्तन के साथ होगी नव वर्ष की शुरूआत

श्रीगंगानगर। नव वर्ष की शुरूआत श्री श्याम हनुमान संकीर्तन के साथ होगी। आरपीएस वेदप्रकाश लखोटिया ने बताया कि 31 दिसम्बर, मंगलवार रात 9 बजे से माहेश्वरी भवन के नजदीक 1 जी 14 जवाहर नगर में सिद्ध धाम श्री खाटू धाम के प्रेमी भजनों की सरिता प्रवाहित करेंगे। प्रभु श्री श्याम-हनुमान का सुमिरण करते हुए सभी श्रद्धालु नव वर्ष में प्रवेश करेंगे।

सेवा प्रकल्प के तहत गौवंश को 725 किलो हरा चारा एवं गुड़ खिलाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विश्व की सबसे बड़ी समाजसेवी संस्था लॉयन्स क्लब इंटरनेशनल की इकाई लॉयन्स क्लब श्रीगंगानगर सनराईज द्वारा सामाजिक सरोकारों में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ-साथ 'गौ सेवा ही परम सेवा' स्थाई प्रकल्प के तहत गौवंश को श्रद्धापूर्वक हरे चारे एवं गुड़ की सवामणी खिलाने का सिलसिला अनवरत जारी है। अध्यक्ष लॉयन नितिन खारीवाल ने बताया कि इसी कड़ी में 'गौ सेवा ही परम सेवा' स्थाई प्रकल्प के तहत क्लब पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा सुखाड़िया सर्किल स्थित श्रीगौशाला में गौवंश को श्रद्धापूर्वक 725 किलो हरा चारा एवं गुड़ खिलाया गया तथा जिलेवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस सेवा कार्य में समाजसेवी श्याम खारीवाल का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर अध्यक्ष अध्यक्ष लॉयन नितिन खारीवाल, लॉयन योगेश मंगल, लॉयन आशीष गर्ग, लॉयन डॉ सी.पी. अग्रवाल, लॉयन विपिन गुप्ता, समाजसेवी श्यामलाल खारीवाल सहित सहित लॉयन्स क्लब श्रीगंगानगर सनराईज पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

नितिन खारीवाल ने गौमाता की सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा समस्त सदस्यों ने प्रतिमाह गौवंश की सेवा करने का संकल्प लिया।

CMYK

साल 2025 के स्वागत में नए साल की पूर्व संध्या, यानी 31 दिसंबर 2024 की शाम दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में 'जश्न की शाम' होगी। ऐसे में हम आपको अपने देश के उन खास डेस्टिनेशंस के बारे में बता रहे हैं, जहां न्यू ईयर ईव पार्टी में शामिल होकर आप नए साल का शानदार तरीके से स्वागत कर सकते हैं।

न्यू ईयर ईव पार्टी
ये हैं परफेक्ट डेस्टिनेशन

साल 2024 अब अलविदा की दहलीज पर खड़ा है। नए साल की पूर्व संध्या पर होने वाली न्यू इयर ईव पार्टियों की तैयारी जोर-शोर से होने लगी है। हम आपको देश के भीतर कुछ ऐसे ठिकानों के बारे में बता रहे हैं, जहां 31 दिसंबर की शाम न्यू ईयर ईव पार्टी की कुछ अलग ही रौनक होती है।

सदाबहार गोवा: नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न मनाने के लिए गोवा हिंदुस्तान की ही नहीं, दुनिया की टॉप-10 सर्वश्रेष्ठ जगहों में से

एक है। अपने देश में न्यू ईयर ईव पार्टियों के लिए गोवा सबसे महंगा, जीवंत और ज्यादातर लोगों का पसंदीदा डेस्टिनेशन है। इसकी डिमांड इतनी ज्यादा है कि अक्टूबर खत्म होते ही यहां के क्लबों, होटलों, रिजॉर्ट्स और समुद्रतट पर जश्न का नजारा बिखेरने वाले अस्थाई टेंट रिजॉर्ट्स तक में बुकिंग होनी शुरू हो जाती है। अपने देश के पार्टी-पसंद लोगों के साथ-साथ बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी नए साल का जश्न मनाने यहां आते हैं। अगर गोवा में आप नए साल की पूर्व संध्या का जश्न मनाना चाहते हैं, तो यह बात ध्यान में रखें कि यह काफी महंगा होगा। अगर आप इनमें शामिल होने का मन बना रहे हैं तो पालोलेम

गोकर्ण में दिखता है अलग तरह का नजारा

मुंबई में न्यू ईयर सेलिब्रेट करते लोग

बीच, कैंडोलियम बीच, वैगेटर बीच, टिटोस लेन जैसी जगहें आपके लिए साल की आखिरी शाम को सपनीली बना देंगी।

शांत स्वर्ग जैसा गोकर्ण: कर्नाटक में स्थित इस बेहद शांत पार्टी डेस्टिनेशन गोकर्ण या गोकर्णा को लोग 'पीसफुल हेवन' भी कहते हैं। अगर आप भी नए साल की पूर्व संध्या में बिल्कुल शांत माहौल में बीच साइट कैंप या अलाव पार्टियों का आनंद लेना चाहते हैं तो गोकर्ण आ सकते हैं। यहां का शांत, सुरम्य वातावरण आपको एक अलग तरह की फील देगा। यहां न्यू ईयर ईव को अलग तरह से सेलिब्रेट करने के लिए कई खास जगहें हैं।

मस्ती भरी मुंबई: मुंबई भारत का सबसे समृद्ध मनोरंजन वाला शहर है। शहर के इर्द-गिर्द 200 किलोमीटर तक दर्जनों हिल स्टेशन और रिजॉर्ट हैं, जहां दिसंबर के दूसरे हफ्ते से ही जश्न-ए-अलविदा का माहौल शुरू हो जाता है। खुद मुंबई भी वर्षांत का जश्न मनाने के लिए सबसे खास जगहों में से है। अगर आप यहां रातभर चलने वाली मस्तीभरी पार्टियों में शामिल होना चाहते हैं, तो आप यहां के क्लबों का भी रुख कर सकते हैं।

सबसे जुदा अंडमान-निकोबार: नए साल का जश्न मनाने के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप भी एक डिफरेंट और यूनीक ऑप्शन हो सकता है। यहां के आकर्षक समुद्रतट, दूर-दूर तक फैली साफ पानी की अथाह जलराशि, अनगिनत किस्म के स्वादिष्ट सी फूड्स और हर तरफ जश्न का माहौल, ये खूबियां अंडमान और निकोबार द्वीप को सिर्फ इस क्षेत्र तक ही सीमित रहने नहीं देतीं बल्कि जश्न के नए आयामों तक सफर करने का

हौसला देती हैं। यहां नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नाइट आउट के लिए हैवलॉक द्वीप, नील द्वीप जैसी जगहें बेहद खास हैं। ❋

दिलकश मनाली

वैसे तो मनाली हनीमून ट्रिप के लिए कपल्स का फेवरेट डेस्टिनेशन रहा है, लेकिन अब नए साल की पूर्व संध्या पर भी यहां हमेशा याद रह जाने वाले जश्न का माहौल होता है। यह जश्न और भी खुशगवार हो जाता है, जब 31 दिसंबर को यहां बर्फबारी होती है, जो पिछले कई सालों से अकसर हो ही जाती है। मनाली में न्यू ईयर ईव पार्टी के कई दिलकश ठिकाने हैं। तो आप नए साल की पूर्व संध्या को खास और यादगार बनाने के लिए मनाली का रुख भी कर सकते हैं।

जैसलमेर में मिलता है अनोखा अनुभव

ये जगहें भी हैं खास

नव वर्ष की पूर्व संध्या का जश्न मनाने के लिए ऊपर जिन महत्वपूर्ण जगहों का जिक्र किया गया है, वैसी ही दर्जनों दूसरी जगहें भी हैं। मसलन हिमाचल में कसोल यानी पार्वती घाटी भी नए साल की पूर्व संध्या के जश्न को रोमांच की हदों तक ले जाने वाली जगह है। हिमाचल में ही मैकलोडगंज जो बेफिक्र जश्न का घर है। यहां के स्थानीय कैफे, लाइव म्यूजिक, 31 दिसंबर की रात को यादगार बना देते हैं। झीलों का शहर उदयपुर भी न्यू ईयर पार्टी का आनंद लेने के लिए बड़ी परफेक्ट जगह है। इसी तरह नॉर्थ ईस्ट इंडिया में मेघालय, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश इन दिनों तरह-तरह के अपने स्थानीय जश्नों में डूबे होते हैं। राजस्थान में जैसलमेर भी नए जश्न मनाने की खास जगह है और इसी कतार में पुडुचेरी और पंचमढ़ी को भी गिनना चाहिए।

आज के समय में युवा नया साल शुरू होने पर रेजोल्यूशन तो करते हैं लेकिन अब इसे अलग-अलग नाम देते हैं और बेहद व्यावहारिक प्रक्रिया अपनाते हैं। विभिन्न सर्वे के अनुसार जानिए, नए साल के लिए यंगस्टर्स के सबसे फेवरेट गोल्स के बारे में।

यंगस्टर्स के फेवरेट न्यू ईयर गोल्स

नया रेजोल्यूशन या संकल्प हर नए साल की सबसे आम और लोकप्रिय गतिविधि होती रही है। हालांकि अभी यह पूरी तरह से आउट डेटेड तो नहीं हुई, लेकिन युवाओं का पूरी दुनिया में इसके प्रति दृष्टिकोण अब बदल गया है। उनके लिए संकल्प अब औपचारिक नहीं रहे, यंगस्टर्स इन्हें ज्यादा प्रैक्टिकल बनाने की कोशिश करते हैं।

हेल्थ-फिटनेस: यह हमेशा से रेजोल्यूशन नंबर एक रहा है और हैरानी की बात है कि इस ग्लोबलाइजेशन के दौर में भी युवाओं का सबसे पसंदीदा रेजोल्यूशन यही है। इस साल भी युवाओं द्वारा पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा संकल्प या रेजोल्यूशन अपने स्वास्थ्य या फिटनेस पर ध्यान देने के ही लिए जा रहे हैं। विभिन्न सोशल मीडिया के त्वरित सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि साल 2025 में हेल्थ और फिटनेस को लेकर युवाओं के किस तरह के रेजोल्यूशन हैं। करीब 70 फीसदी युवा संकल्प ले रहे हैं कि वे साल 2025 में नियमित व्यायाम करेंगे। 60 से 65 फीसदी युवाओं का रेजोल्यूशन है कि इस साल वे हेल्दी खाना खाएंगे। 50 फीसदी से ज्यादा युवाओं का संकल्प है कि वे अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे। करीब 40 से 45 फीसदी युवा अपना स्क्रीन टाइम कम करने और 70 फीसदी से ज्यादा युवा डिजिटल डिटॉक्स करने का भी संकल्प ले रहे हैं। सबसे ज्यादा करीब 80 फीसदी युवक वर्क लाइफ बैलेंस के लिए समय प्रबंधन पर काम करने का संकल्प ले रहे हैं।

फ्रेंडली लाइफस्टाइल: इस साल पूरी दुनिया में बड़े पैमाने पर युवाओं के संकल्पों में पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाए जाने की बात हो रही है। इसके तहत युवा संकल्प कर रहे हैं कि वे प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करेंगे और ऐसी टिकाऊ जीवनशैली को अपनाएंगे, जो उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण के भी अनुकूल हो। कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए, साइकिलिंग या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करने का भी युवा बड़े पैमाने पर साल 2025 के लिए संकल्प ले रहे हैं। आज के युवाओं को पर्यावरण की महत्ता अच्छे से पता है। इसलिए इस साल पूरी दुनिया के युवकों में 40 से 45 फीसदी तक संकल्प ले रहे हैं कि वे इस साल कम से कम एक या दो पेड़ अवश्य लगाएंगे। साथ ही जल संरक्षण के लिए भी काम करेंगे।

फाइनेंसियल गोल: यह भी बहुत पुराने और लगभग हमेशा से रेजोल्यूशन की लिस्ट में रहने वाला महत्वपूर्ण और अनुकूल रेजोल्यूशन है। चैट जीपीटी के मुताबिक विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप में हुए सर्वेक्षणों के मुताबिक इस साल बड़े पैमाने पर युवा फिर से बचत और निवेश की तरफ लौटने का संकल्प दोहरा रहे हैं। करीब 70 फीसदी से ज्यादा युवा अपने फालतू खर्चों को कम करना चाहते हैं और साल 2025 में मितव्ययी बनकर अपने कमाए गए धन को बचाना चाहते हैं। अपनी आय को बढ़ाने के लिए वे नई-नई स्किल्स सीखेंगे और अपनी आर्थिक प्रोफाइल बेहतर बनाएंगे।

सेल्फ इंप्रूवमेंट: सेल्फ इंप्रूवमेंट भी युवाओं के लिए एक ऐसा संकल्प है, जो हमेशा से लोकप्रिय रहा है। साल 2025 में भी बड़े पैमाने पर पूरी दुनिया के युवक सेल्फ इंप्रूवमेंट की बात कर रहे हैं। करीब 60 फीसदी युवक और कारपोरेट क्षेत्र के मध्य उम्र के प्रोफेशनल्स भी यह लक्ष्य बना रहे हैं कि वह इस साल कोई नई भाषा जरूर सीखेंगे और अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए हर तरह की कोशिश करेंगे। पढ़ाई की आदत को विकसित करना भी दुनिया के बहुत सारे युवाओं का इस साल के लिए एक लोकप्रिय संकल्प है। इस साल 40 से 50 फीसदी तक युवा इस बात का संकल्प ले रहे हैं कि वे महीने में कम से कम एक किताब जरूर पढ़ेंगे।

संबंधों को बेहतर बनाएंगे: 80 फीसदी से ज्यादा युवा साल 2025 में सबसे लोकप्रिय संकल्प यह ले रहे हैं कि वे अपने परिजनों और दोस्तों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। निकट के संबंधों में मतभेद भुलाकर हर तरह के रिश्तों को मजबूत करने और आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। वे सोशल मीडिया की जगह इस साल लोगों से असली मुलाकातों को बढ़ाने को प्राथमिकता देने का संकल्प ले रहे हैं।

इसके अलावा इस साल के संकल्प जो युवाओं के बीच पूरी शिद्दत से उभर कर आ रहे हैं, वे हैं- समाज और समुदाय के लिए विशिष्ट योगदान देना। सामाजिक कार्यों में भागीदारी करना, रक्तदान और अंगदान को अपने व्यवहारिक जीवन में शामिल करना। ❋

गुजर रहे साल 2024 का ट्रैवलर, पुराने दौर के पर्यटकों या ट्रैवलर्स से कई मायनों में बहुत अलग रहा। अब आने वाले साल 2025 का ट्रैवलर इससे भी कहीं ज्यादा भिन्न होगा। कैसे? आप जरूर जानना चाहेंगे।

जिज्ञासु-रोमांचप्रिय होंगे 2025 के घुमक्कड़

यह सही है कि पुराने दौर के पर्यटकों में घूमने का मकसद, घूमने का तौर-तरीका, सब कुछ अलग था। पुराना पर्यटक या सैलानी जब कहीं घूमने जाता था, तो वह लोगों से सुने गए किस्से, किताबों में पढ़े गए विवरण और बाजार में उपलब्ध गाइड बुक्स के सहारे अपने पर्यटन की योजना बनाता था और फिर यात्रा एजेंसियों के दिशा-निर्देशों पर निर्भर रहता था। लेकिन 2025 का ट्रैवलर स्मार्ट फोन, एप्स और एआई टूल्स से होमवर्क करके अपने ट्रैवलिंग योजना बनाएगा।

सोशल मीडिया की बढ़ेगी इंपॉर्टेंस: 2025 का ट्रैवलर यात्रा प्लानिंग, होटल बुकिंग और घूमने जाने वाली जगह के बारे में विस्तार से जानने के लिए टेक्नोलॉजी का सहारा लेगा। वह सोशल मीडिया की प्रेरणा से ऐसी जगहों की यात्रा करना पसंद करेगा, जो 'इंस्टाग्रामेबल होंगी' यानी ऐसी जगहें जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विशेष कर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने के लिहाज से बेहद आकर्षक और फोटोजनिक हों। साथ ही ये जगहें अनूठे सौंदर्य, चमकीले रंग और रोमांच परिदृश्य या कलात्मक डिजाइनों के लिए जानी जाती हों। जैसे उदयपुर की झीलें, लद्दाख के दूर तक फैले पठार, जयपुर की पिंक सिटी और दुनिया में बाली द्वीप के स्विंग्स अथवा यूरोप के संतोरनी जैसी जगहें। आज का ट्रैवलर इन जगहों पर सिर्फ घूमने का आनंद लेने के लिए नहीं जाता बल्कि 'फोटो परफेक्ट मोमेंट्स' को अपने सोशल मीडिया पर शेयर करने के लिए जाता है। साल 2024 का ट्रैवलर बहुत कुछ बदल गया था और अब 2025 का पर्यटक अब के किसी भी दौर के पर्यटक के मुकाबले बिल्कुल अलग होगा।

होगा निश्चित उद्देश्य: एक बात खासतौर पर ध्यान देने की है कि यह ट्रैवलर घुमंतू कतई नहीं होगा बल्कि इसके घूमने जाने के पीछे बहुत सारे गहरे उद्देश्य और जीवंत अनुभव हासिल करने की योजना होगी। 2025 के पर्यटक में सोचने का नजरिया अलग होगा। यह टेक्नोलॉजी से प्रभावित पर्यटक होगा, जो अपनी हर गतिविधि के लिए टेक्नोलॉजी पर निर्भर होगा।

ये होंगी पहली पसंद: जहां तक 2025 के पर्यटक की घूमने वाली जगहों की प्राथमिकता की बात होगी तो यह ऐतिहासिक स्थलों या मशहूर जगहों की बजाय ऐसी जगहों को प्राथमिकता देगा, जो अपने स्थानीय खान-पान, संस्कृति और एडवेंचर एक्टिविटीज के साथ-साथ होम स्टे की सुविधाओं से लैस होगा।

2025 का ट्रैवलर सस्टेनेबल टूरिज्म और लो इंपेक्ट ट्रैवल पर विशेष ध्यान देगा। ये प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचेगा। स्थानीय परिवहन का उपयोग करेगा और कार्बन फुटप्रिंट्स कम करने की कोशिश करेगा। जहां तक 2025 के पर्यटक में व्यक्तिगत गुणों और उसके स्वभाव की बात होगी तो यह निजता को सबसे ज्यादा महत्व देगा। ये समूह या परिवार के साथ घूमने जाना के बजाय ज्यादा से ज्यादा अकेले या फिर अपने एक साथी या अपने बिल्कुल निजी परिवार के साथ घूमने जाने की योजना बनाना पसंद करेगा। साल 2025 के पर्यटक में गजब का लचीलापन होगा। यह किसी जानकारी से प्रभावित हो जाने पर अंतिम क्षणों में अपने शेड्यूल को बदल सकेगा।

तकनीक का भी होगा असर: 2025 का ट्रैवलर, मेटावर्स या वर्चुअल ट्रैवल की भी योजना बना सकता है यानी, यह कहीं जाने की बजाय डिजिटल तकनीक के जरिए दुनियाभर में घूमने का सुख लूटने की योजना को अमलीजामा पहना सकता है। साल 2025 का ट्रैवलर पहले से बने बनाए घूमने-फिरने की योजनाओं की जगह अपने ढंग की योजना बनाना और खुद सिर्फ अपनी पसंद के हिसाब से इसे तय करना पसंद करेगा। वह आमतौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों और हाइड्रोजन फ्यूल्ड वाहनों का उपयोग करेगा।

कुल मिलाकर 2025 का पर्यटक उर्फ ट्रैवलर कहीं ज्यादा आत्मनिर्भर, पर्यावरण सचेत, जिज्ञासु, रोमांचप्रिय और एक्स्प्लोरर होगा। वह सिर्फ जगहों को घूमना पसंद नहीं करेगा बल्कि उनकी संस्कृति और जीवनशैली को जीने का अनुभव करना भी पसंद करेगा। ❋

हिट-फ्लॉप कैटेगरी के लिहाज से अगर हिंदी फिल्मों की बात करें तो बीत रहा साल मिला-जुला रहा। हालांकि बिग बजट और बड़े स्टार्स की कई फिल्में असफल साबित हुईं तो वहीं कुछ फिल्मों ने अपेक्षा से बहुत ज्यादा कलेक्शन कर सबको चौंका दिया। इस साल के हिंदी फिल्मों के सिनेरियो पर एक नजर।

बॉलीवुड फिल्में-2024
फ्लॉप हुईं ज्यादा-हिट हुईं कम

साल 2024 भारतीय सिनेमा, खासकर बॉलीवुड के लिए मिश्रित परिणामों वाला रहा। इस साल जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद के विपरीत जमकर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया, वहीं कुछ फिल्में, जिनसे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बहुत सारी उम्मीदें की गई थीं, वे औंधे मुंह गिरीं। अगर डब फिल्मों के लिहाज से एक साथ कई भाषाओं में रिलीज हुई 'पुष्पा-2' की कामयाबी को भी बॉलीवुड की कामयाबी मान लें तो 'पुष्पा-2' इस साल बॉक्स ऑफिस पर सबसे सफल फिल्म रही। लेकिन वह मूलतः हिंदी की फिल्म नहीं है।

सबसे हिट हिंदी फिल्में

जहां तक इस साल बॉलीवुड की सफल हिंदी फिल्मों की बात है तो श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर कमेडी 'स्त्री-2' बेहद सफल रही। इस साल इसने 875 करोड़ रुपए बटोरे। इसलिए इसे इस साल की बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म माना जा रहा है। कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, तृप्ति डिमरी और माधुरी दीक्षित स्टारर 'भूल-भुलैया-3' बॉलीवुड की दूसरी सबसे सफल फिल्म

स्त्री-2 : मिली शानदार कामयाबी

भूल-भुलैया-3 : दर्शकों को खूब आई पसंद

पुष्पा-2 : बनाया बॉक्स ऑफिस कलेक्शन का रिकॉर्ड

कही जा सकती है, जिसने इस साल 417.51 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया। जबकि अजय देवगन स्टारर 'सिंघम अगेन' ने 389.64 करोड़ रुपए जुटाए। देवगन की इस साल आई बाकी फिल्मों ने भी उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म किया। मसलन, 'शैतान' ने 213 करोड़, 'औरों में कहां दम था' ने 358 करोड़ और 'मैदान' ने 68.6 करोड़ रुपए कमाए।

नहीं चला रिमेक का जादू

इस साल जिस फिल्मी फार्मूले को दर्शकों ने रिजेक्ट कर दिया, उसकी बात करें तो, यह रिमेक का फार्मूला रहा। क्योंकि इस साल दो बड़ी रिमेक फिल्में अक्षय कुमार की 'लक्ष्मी' और शाहिद कपूर की 'जर्सी' आई, दोनों ही फिल्में बुरी तरह से फ्लॉप रहीं। जबकि यह भी सच है कि साल 2024 में अपनी इनकम और लोकप्रियता के कारण अक्षय कुमार ही सबसे ज्यादा डिमांड में रहने वाले हीरो रहे। यही नहीं वह इस साल बॉलीवुड के ऐसे हीरो भी रहे, जिनकी इनकम हॉलीवुड एक्टर्स के साथ उनकी लिस्ट में शामिल रही।

जर्सी : रिमेक ने किया निराश

फ्लॉप रहीं बिग बजट फिल्में

इस साल कुछ बड़े बजट की और ऐसी भी फिल्में औंधे मुंह गिरीं, जिनको लोग काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, जिसमें एक भाई-बहन के रिश्ते पर बनी आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' थी और दूसरी टाइगर श्राफ, अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बड़े मियां, छोटे मियां।' हालांकि 'बड़े मियां, छोटे मियां' फिल्म ने 102 करोड़ रुपए की कमाई की, लेकिन चूंकि इसका बजट तकरीबन 400 करोड़ रुपए का बताया जा रहा है, इसलिए इस लिहाज से यह फिल्म असफल ही मानी जाएगी। ऐसे ही शाहिद कपूर, कृति सेनन की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' भी बॉक्स ऑफिस में औंधे मुंह गिरी। फ्लॉप फिल्मों की लंबी लिस्ट में 'मिस्टर एंड मिसेज माही' भी शामिल रही, जो राजकुमार राव और जान्हवी कपूर स्टारर थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा, राशि खन्ना और दिशा पटानी स्टारर फिल्म 'योद्धा' का नाम भी इसी कड़ी में ले सकते हैं, जिसकी लागत (सूत्रों के मुताबिक) 200 करोड़ से ज्यादा थी, बॉक्स ऑफिस पर केवल 35 करोड़ रुपए ही जुटा सकी। कुछ वैसा ही हाल कार्तिक आर्यन की बायोपिक 'चंदू चैंपियन' की रहा। यह भी महज 88 करोड़ रुपए ही कमा सकी। पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की जीवनी पर बनी फिल्म 'चंदू चैंपियन' अपनी लागत से बहुत कम वसूली पर संतोष करना पड़ा। इंडस्ट्री की चर्चा के मुताबिक 'चंदू चैंपियन' को 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा हुआ।

बड़े मियां, छोटे मियां : नहीं चला स्टार्स का जादू

कुल मिलाकर यह साल बॉलीवुड की फिल्मी चमक के लिए बहुत शानदार नहीं रहा तो कोई निराशाजनक साल नहीं कहा जा सकता है। पर हां, जिस चकाचौंध की उम्मीद की जा रही थी, वह भी नहीं दिखी। ❋

वर्ल्ड वाइड कलेक्शन रहा बढ़िया

अगर फिल्मों के वर्ल्ड वाइड कलेक्शन पर नजर दौड़ाएं तो साल 2024 बेहद चमकदार साल रहा। इस साल भारतीय फिल्मों ने दुनिया के फिल्म बाजार से करीब 9239.34 करोड़ रुपए कमाए, जिसमें अकेले हिंदी फिल्मों का ही कलेक्शन 3681 करोड़ रुपए का रहा। इससे एक बात यह उभरकर आई कि भारतीय फिल्में अब देश से ज्यादा विदेशों में देखी जाने लगी हैं। निश्चित रूप से ये सिर्फ विदेशों में बसे भारतीय ही नहीं देख रहे बल्कि पूरी दुनिया में हिंदी फिल्मों ने बाजार में एक मजबूत जगह बनाई है, जिसका एक अर्थ यह भी है कि भले आने वाले सालों में देश में हमारी फिल्में उतनी ना चलें, लेकिन विदेशों में ये जरूर देखी जाएंगी।

साहिबजादों की शहादत का स्मरण कर भावुक हो उठी संगत

मिर्जेवाला में हुआ सिख स्टूडेंट्स फैडरेशन राजस्थान का चौथा गुरमत समागम

श्रीगंगानगर। सिख स्टूडेंट्स फैडरेशन राजस्थान की ओर से जन जन को सिखी सिद्धांतों से जोड़ने के उद्देश्य से चलाई जा रही मुहिम के तहत शनिवार को गांव मिर्जेवाला स्थित गुरुद्वारा बाबा जोरावर सिंह जी बाबा फतेहसिंह जी में चौथा महान गुरमत समागम का आयोजन किया गया, जिसमें भयंकर सर्दी की परवाह किए बिना बड़ी संख्या में संगत पहुंची। अमर शहीद साहिबजादों की शहादत और समूह शहीदों की याद में अयोजित इस समागम में कथावाचक भाई उपकार सिंह खालसा (श्रीगंगानगर वाले) ने कथा कीर्तन से संगत को निहाल किया। संगत भी साहिबजादों की शहादत का स्मरण करते हुए भावुक हो उठी, जिसके चलते संगत ने 'बोले सो निहाल सतश्री अकाल' के जयकारे लगाए। फैडरेशन के अध्यक्ष लवप्रीत सिंह बराड़ ने बताया कि इस अवसर पर शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की और से संगत को सिख इतिहास से संबंधित लिट्रेचर का भी वितरण किया गया। शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रचारक भाई अमृतपाल सिंह ने मंच संचालन करते हुए संगत को फैडरेशन के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और सभी से सिखी सिद्धांतों से जुड़कर महान गुरुओं द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की अपील की। समागम के समापन पर गुरुद्वारा बाबा जोरावर सिंह फतेहसिंह जी प्रबंधक कमेटी के प्रधान संदीप सिंह सोना व फैडरेशन की और से कथावाचक भाई उपकार सिंह व प्रचारक अमृतपाल सिंह को सरोपा व सम्मान प्रतीक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गुरू का लंगर भी वितरित किया गया। समागम के सफल आयोजन में मधुर कंबोज, देवेन्द्र सिंह चुनावढ, अवजीत सिंह बराड़, सुमेर पर्वत सिंह, अरनवीर संधू, भानुप्रताप, अमर राजपूत, अभिमन्यु राजपूत, गुरशरण सिंह आदि सेवादारों का विशेष योगदान रहा।

कांग्रेस एससी विभाग ने अनूपगढ़ जिले को समाप्त करने के निर्णय का कड़ा विरोध किया

राज्य सरकार द्वारा पुनर्विचार करके जिला अनूपगढ़ को यथावत रखा जाए

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग, श्रीगंगानगर ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा अनूपगढ़ जिले सहित 9 जिलों तथा 3 सम्भागों को समाप्त करने के निर्णय का कड़ा विरोध किया है। जिलाध्यक्ष राजेश नागर ने कहा कि केबिनेट बैठक में मनमाना फैसला लिया गया है तथा सत्ता के नशे में चूर होकर जन भावनाओं की अनदेखी की गई है। अनूपगढ़ जिले की जनता द्वारा अनेक वर्षों तक जिला बनाने की मांग को लेकर आंदोलन किया गया, जिस पर तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा अनूपगढ़ को जिला बनाकर उन्हें सौगात दी गई थी।

जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग जिलाध्यक्ष राजेश नागर तथा जिला कांग्रेस कमेटी संगठन महामंत्री श्यामलाल शेखावाटी ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजनीतिक द्वेषतावश संकीर्ण मानसिकता का परिचय देते हुए अनूपगढ़ जिले को समाप्त करने का निर्णय करके जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। श्रीगंगानगर से अनूपगढ़

की दूरी काफी ज्यादा होने के कारण क्षेत्रवासियों को प्रशासनिक कार्यों के लिए कई घंटों का सफर तय करके श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय आना पड़ेगा, जिससे लोगों को आर्थिक व मानसिक परेशानी होगी। जिलाध्यक्ष राजेश नागर तथा जिला संगठन महामंत्री श्यामलाल शेखावाटी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मांग की है कि इस गलत निर्णय पर पुनर्विचार करके अनूपगढ़ को यथावत जिला घोषित किया जाए तथा गलत फैसले लेने की बजाय महंगाई व बेरोजगारी कम करके आमजन को राहत प्रदान की जाए। अन्यथा कांग्रेस एससी विभाग द्वारा 1 जनवरी, 2025 के पश्चात् जन आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेवारी राज्य सरकार की होगी।

श्री अमरनाथ यात्रा लंगर सेवा समिति की एक बैठक आयोजित

सूरतगढ़। श्री अमरनाथ यात्रा लंगर सेवा समिति की एक बैठक सुरेंद्र चुग की अध्यक्षता में बुलाई गई । नेशनल हाईवे संख्या 62 पर स्थित बाबा बर्फानी भवन में आयोजित इस बैठक में संस्था के भावी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई । समिति के अध्यक्ष उदाराम बनिया ने बताया कि सर्दी और धुंध के मौसम को देखते हुए संस्था की ओर से दुपहिया व चौपइयां वाहनों पर संस्था की ओर से रिफ्लेक्टर लगाने का निर्णय लिया गया । आगामी महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाने के अलावा बर्फानी भवन में भगवान शिव का मंदिर बनाने के लिए इसके नक्शे आदि बनवाने का जिम्मा देवेंद्र शर्मा को सोपा गया । इस अवसर पर जगदीशचंद्र शर्मा, विष्णु टॉक, उदाराम बनिया, कृष्ण स्वामी, सुरेंद्र चुग, ओम सोनी,इंद्राज सुथार, मोहन चौधरी, मोनू गाबा, मनीष मूंदड़ा, हेमंत डागा, धनराज स्वामी, पुलकित आहूजा, कन्हैयालाल स्वामी, मोहन गुप्ता, बाबूलाल जांगिड़, लालचंद गैदर, सोनू बिश्नोई व देवेंद्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

श्री हनुमान मंदिर में नववर्ष के उपलक्ष में 5100 सामुहिक महापाठ

सूरतगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। विश्व शांति व भक्तजनों की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर हाईवे स्थित संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर में नववर्ष के उपलक्ष में श्री हनुमान चालीसा के 5100 सामुहिक महापाठ किए गए। कार्यक्रम में 251 भक्तों ने श्री हनुमान चालीसा के 21 बार अखंड पाठ किए। श्री राम भजन मंडली के हरिप्रसाद मोदी एंड पार्टी ने हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ किए। इस दौरान भजन-कीर्तन के साथ राम नाम का जाप भी किया गया। पाठ का शुभारंभ मंदिर समिति के महावीर देरासरी, मंगल देरासरी, राजेंद्र गुंबर, महेंद्र शेखावत, सीताराम प्रजापत, प्रेम देरासरी, नंदलाल शर्मा ने विधिवत ज्योत प्रज्वलित कर किया। महापाठ में शामिल सभी श्रद्धालुओं को दीपक बाती, पुष्प की प्लेट मंदिर समिति की तरफ से दी गई। श्री सीताराम जी व श्री हनुमान जी की महाआरती कर राजेंद्र कुमार गुंबर परिवार की तरफ से सवामणी का प्रसाद चढ़ाकर श्रद्धालुओं को वितरित किया गया। इसके अलावा राजू तावणियां ने गुलाब जामुन व मंदिर समिति की ओर से पकौड़े का भोग लगाकर अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर ओमप्रकाश जोशी, भीखसिंह शेखावत, रवि देरासरी, समाजसेवी इंजी. रमेशचंद्र माथुर, विविधा संस्था के अध्यक्ष योगेश स्वामी, श्री अमरनाथ लंगर सेवा समिति के संरक्षक किशन स्वामी, सीताराम आदि उपस्थित थे।

सुख-समृद्धि की कामना के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। रविवार को टाउन की श्री गौशाला सेवा समिति में क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इस आध्यात्मिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र में उत्साह और धार्मिकता का माहौल पैदा कर दिया।

कलश यात्रा का आरंभ टाउन चिल्ड्रन स्कूल के सामने से हुआ। यह शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गोसुभाष चौक और इंदिरा चौक से गुजरते हुए कथा स्थल श्री गौशाला समिति तक पहुंची। यात्रा में सबसे आगे मुख्य यजमान सज्जन बंसल डिंगवाला सिर पर पवित्र श्रीमद्भागवत जी को धारण किए हुए थे। उनके पीछे-पीछे भगवा वस्त्र पहने और सिर पर कलश धारण किए महिलाएं यात्रा की शोभा बढ़ा रही थीं। कलश यात्रा ने अपने मार्ग में श्रद्धालुओं के मन को भक्तिभाव से भर दिया।

कलश यात्रा के समापन के बाद, दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक कथा का आयोजन हुआ। प्रथम दिवस पर कथाव्यास पूज्य श्री मुरलीधर जी माधव, वृंदावनवासी ने भागवत कथा का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि यह मानव जीवन को शुद्ध, पवित्र और उद्देश्यपूर्ण बनाने का मार्गदर्शन भी प्रदान करती है। आयोजन समिति के सदस्य डॉ. मनोज बंसल और लोकेश बंसल डिंगवाला ने बताया कि यह कथा 4 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक श्री गौशाला समिति के कामधेनु हॉल में आयोजित की जाएगी। कथा के दौरान श्री मुरलीधर जी माधव श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से धर्म, भक्ति और मानवता के आदर्शों का संदेश दिया। इस आयोजन ने श्रद्धालुओं के बीच विशेष उत्साह पैदा किया है। कथा का समापन भागवत जी की महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं में प्रसाद के वितरण के पश्चात हुआ।

अतिक्रमण करके गरीबों को उजाड़ने पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। किशनपुरा आबादी में माफिया ने अतिक्रमण करके गरीबों को उजाड़ने पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। पार्षद हंसराज स्वामी, राकेश मेघवाल, कालूराम स्वामी ने किशनपुरा आबादी में भू माफिया ने आबादी क्षेत्र की भूमि पर अतिक्रमण करके आबादी क्षेत्र में बसे गरीबों को उजाड़ने पर विरोध प्रदर्शन किया। आबादी क्षेत्र की भूमि पर भू माफिया ने अतिक्रमण करके आबादी क्षेत्र के पास बसे हुए गरीब लोगों को उजाड़ कर उनके मकान की ईंट अपने कब्जे में ले ली। इसकी जानकारी मिलने पर काफी संख्या में लोगों ने विरोध किया। प्रदर्शन

के दौरान उदाराम, पृथ्वीराज मेघवाल, भीखाराम मेघवाल, गोवर्धन, सुभाष नाथ, नरेश भोपा, भंवर भोपा, संतोष देवी, कविता, राजू स्वामी सहित काफी संख्या में लोगों ने कहा प्रशासन की मिली भगत से भू माफिया ने आबादी क्षेत्र में बसे गरीब लोगों के मकान तोड़कर उनकी इंटें अपने कब्जे ली है । इस संबंध में सोमवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन करके न्याय की मांग की जाएगी। सुनवाई नहीं होने पर गंगानगर जिला कलेक्टर से मिलने के लिए पैदल मार्च रवाना होगा। जिला कलेक्टर कार्यालय में सुनवाई नहीं होने पर जयपुर मुख्यमंत्री से मिलने का कार्यक्रम तय किया गया है।

डीएवी कॉलेज में एनएसएस के साथ दिवसीय शिविर का समापन

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। डीएवी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का आज समापन समारोह संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज प्राचार्य डॉ. मीनू पूनिया रही। कॉलेज प्राचार्य विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है अच्छे नागरिक का निर्माण करना ताकि एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण हो सके। सात दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों के द्वारा जेड माइनर नहर के आसपास सफाई का कार्य किया गया, महाविद्यालय में सफाई की तथा पेड़ों पर पुताई की गई। शिविर में विभिन्न प्रकार की खेल खुद प्रतियोगिता आयोजित की गई और विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। शिविर में सर्वश्रेष्ठ वॉलिंटियर का अवार्ड भी दिया गया। समापन समारोह में कार्यक्रम अधिकारी संजय शर्मा का आकाश कमरा तथा अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कुंडिया सारस्वत समाज समिति के चुनाव में डॉ. सारस्वत विजयी रहे

सूरतगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। कुंडिया सारस्वत समाज समिति के चुनाव में डॉ महावीर सारस्वत 47 वोटो से विजयी रहे। कुंडिया सारस्वत समाज समिति के चुनाव समाज की धर्मशाला में शांतिपूर्वक संपन्न करवाए गए। मुख्य चुनाव अधिकारी कुंडिया सारस्वत समाज के जिला अध्यक्ष लीला शंकर सारस्वत, चुनाव अधिकारी एडवोकेट दिलीप उपाध्याय, उप चुनाव अधिकारी साहित्यकार रमेश बाहिया ने कुंडिया सारस्वत समाज धर्मशाला में चुनाव करवाए। इन्होंने बताया सुबह 10ः00 बजे से दोपहर 3ः00 बजे तक हुए मतदान में कुंडिया सारस्वत समाज समिति के 333 मतदाताओं में से 302 ने मतदान किया। मतदान के आधे घंटे बाद अध्यक्ष पद के प्रत्याशी डॉक्टर महावीर सारस्वत, एडवोकेट श्रीकांत सारस्वत और दोनों प्रत्याशियों के चुनाव एजेंट की मौजूदगी में मतगणना की गई। अध्यक्ष पद पर डॉ महावीर सारस्वत 173 वोट लेकर 47 मतों से विजय रहे। प्रतिद्वंदी एडवोकेट श्रीकांत सारस्वत को 126 वोट मिले, तीन वोट निरस्त किए गए। मुख्य चुनाव अधिकारी लीला शंकर सारस्वत,

चुनाव अधिकारी एडवोकेट दिलीप उपाध्याय, उप चुनाव अधिकारी रमेश बाहिया ने समाज के वरिष्ठ लोगों की मौजूदगी में डॉक्टर महावीर सारस्वत को अध्यक्ष पद के लिए विजय घोषित करके अध्यक्ष निर्वाचित प्रमाण पत्र दिया। कुंडिया सारस्वत समाज समिति के अध्यक्ष डॉ महावीर सारस्वत के निर्वाचित होने पर बद्री प्रसाद बिनानी, एडवोकेट रामस्वरूप तावनिया, भादर ओझाईया, श्याम सुंदर कायल, संदीप कुमार, पार्षद भारत भूषण उपाध्याय, प्रभु दयाल ओझा, लीलाधर सरस्वा, सत्यनारायण, महावीर प्रसाद औझईया, पवन ओझा सहित समाज के लोगों ने माला पहनकर स्वागत किया। अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर डॉक्टर महावीर सारस्वत ने कहा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर समाज हित के कार्यों को प्राथमिकता से किया जाएगा, धर्मशाला की दुकानों को खाली करवा कर धर्मशाला का भव्य निर्माण करवाया जाएगा। समाज को विधानसभा में संगठित करने के लिए कुंडिया सारस्वत समाज महिला समिति और युवा संगठन का गठन करके सभी को एकजुट किया जाएगा।

भारत क्लब की मेहनत रंग लाई

मां भद्रकाली मंदिर जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य शुरू

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। टाउन से माँ भद्रकाली मंदिर जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। उल्लेखनीय है की हनुमानगढ़ सेवा समिति भारत क्लब द्वारा लगभग 20 वर्षो से लगातार सड़क चौड़ी करने व पुनः निर्माण की मांग की जा रही थी लेकिन आज माँ भद्रकाली जी की कृपा से मांग पूरी हो गई है और निर्माण कार्य शुरू हो गया है। प्रेम नगर मोड़ से भद्रकाली मंदिर तक लगभग 7 किलोमीटर बनने वाली सड़क की चौड़ाई 7 मीटर होगी। हनुमानगढ़ सेवा समिति भारत क्लब ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा,विधायक गणेश राज बंसल,पूर्व मंत्री डॉ राम प्रताप, भाजपा नेता अमित सहू, भगवान सिंह खुड़ी, जिला प्रशासन,जिले के पत्रकारों का आभार व्यक्त किया व शहर वासियों को बधाई दी है।

नशे के खिलाफ नुक्कड़ नाटक का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे मानस अभियान के तहत नगर परिषद की ओर से शनिवार को जंक्शन के वार्ड 54 में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद आयुक्त सुरेन्द्र यादव, मानस अभियान प्रभारी आंचल फुटेजा, वार्ड के पूर्व पार्षद सुनील अमलानी सहित अन्य अधिकारी-जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं वार्डवासी मौजूद रहे। कला जत्थे की ओर से नुक्कड़ नाटक के जरिए नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। नगर परिषद के प्रशासक व एडीएम उम्मेदी लाल मीणा ने बताया कि जिले के युवाओं में नशे की बढ़ती हुई लत को देखते हुए जिला कलक्टर कानाराम की ओर से मानस अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रशासन की ओर से सर्वप्रथम जागरूकता के लिए कैम्पेन चलाया गया। इसमें स्कूलों में नशे की

जानकारी देने के साथ-साथ निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता करवाई। जिले में आयोजित पीटीईटी परीक्षा में हिस्सा लेने वाले करीब 85 हजार परीक्षार्थियों को नशे के खिलाफ शपथ ग्रहण करवाकर नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया। विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से साइकिल रैलियां निकाली। जिला कलक्टर के निर्देशन में ग्रास रूट लेवल पर काम हुआ। मेडिकल विभाग की ओर से भी कैम्प लगाए। इसमें कई लोगों ने नशे की लत को छोडने का संकल्प लिया। हर मां-बाप अपने बच्चों पर पूरी निगरानी रख रहे हैं। इसके भी सकारात्मक परिणाम नजर आ रहे हैं। जिले में पुलिस की ओर से भी नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। नशा सप्लायरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज हो रहे हैं। इसी क्रम में नगर परिषद की ओर से नुक्कड़ नाटक का आयोजन करवाया जा रहा है। इसमें कला जत्थे की ओर से प्रभावी नाटक का मंचन किया जा रहा है। इसका लोगों पर इतना गहरा असर पड़ रहा है कि वे नाटक देखकर भावुक हो उठते हैं और अपने घर व आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों को हिदायतें दे रहे हैं।

अग्रसेन नगर इण्डस्ट्रीयल एरिया एसोसिएशन की कार्यकारिणी गठित

रमेश अग्रवाल अध्यक्ष व अमित महासचिव नियुक्त

श्रीगंगानगर। शनिवार को अग्रसेन नगर इण्डस्ट्रीयल एरिया के बहुत बड़ी संख्या में व्यापारियों की एक मीटिंग विश्वास सीडस पर हुई जिसमें क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं व मूलभूत सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सभी उपस्थित व्यापारियों ने मौके पर अग्रसेन नगर इण्स्ट्रीयल एरिया एसोसिएशन का गठन किया एवं सर्वसम्मति से रमेश कुमार अग्रवाल को अध्यक्ष, अमित आजाद को महाससचिव, विकास जैन को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। इसके अतिरिक्त संरक्षक मण्डल में बनवारीलाल गोयल, गोपाल जी भुजियावाला, सुशील गर्ग, मनफूल बरनेला व राजकुमार बाघला को लिया गया। महासचिव अमित आजाद ने बताया कि एसोसिएशन सभी व्यापारियों से सामंजस्य स्थापित कर कार्य करेगी व किसी भी साथी को आ रही समस्या का समाधान करने का हरसंभव प्रयास करेगी। मीटिंग में मनोज चणानी, सूरज गोयल, विनय नारंग, मोहन अग्रवाल, बृजलाल गुप्ता, योगेश गोयल,अश्वनी मित्तल, सतनामराय सचदेवा, शिवम सैनेटरी,मनोज नागपाल, रोहित एजेंसी, विश्व लीला, रिद्धि-सिद्धि ट्रेडर्स,मनीराज, अन्नु केक स्टेशन आदि बड़ी संख्या में व्यापारी व उनके प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

लंगर में केसर दूध व चने के प्रसाद का वितरण

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री गुरु अर्जुन दास सत्संग भवन के संस्थापक एवं श्री रूद्र हनुमान सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुरु अर्जुन दास जी द्वारा रविवार को सत्संग भवन में 622 वा लंगर लगाया गया। लंगर में केसर मलाई युक्त दूध व चने मसाला युक्त पुलाव के प्रसाद का वितरण किया गया। समिति द्वारा सेवाएं श्री गुरु अर्जुन दास, हुकुम देवी, संगठन मंत्री सतपाल कोर, अनुज मल्होत्रा, पंडित नरेश शर्मा, आशा रानी, सुभाष छाबड़ा, राजेश अंगी, एम डी सतीश, राजरानी, दिया, खुशी, निशा, सविता राव प्रिंस नवनीत मलोट, साहिल, देवेंद्र, संजू, जगतार सिंह, सिद्धू, पूनम, कमल जीत भुल्लर कमलसिंह विडंग, सुखा सिंह, महेंद्र भटेजा व अन्य सदस्यों द्वारा दी गई।

सभी ने तन मन से सेवा दी।

श्री गुरु अर्जुन दास जी महाराज द्वारा सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाइयां। सभी धर्म प्रेमी सज्जनों को जानकर अत्यंत हर्ष होगा की सत्संग भवन द्वारा रविवार 5 जनवरी 2025 को सालानोत्सव एवं 623वा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सुबह 9ः00 से 12.00बजे तक राम नाम संकीर्तन व सत्संग और 12ः15 से भंडारे का आयोजन प्रारंभ होगा और प्रभु इच्छा तक चलेगा। गुरूजी द्वारा आशीर्वचनों में कहा गया कि सत्संग में जाने का मतलब है अच्छे लोगों की संगति। सत्संग को लगातार सुनना अज्ञानी मनुष्य को भी जिम्मेदार बना देता है। सत्संग वास्तव में मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारने का कार्य करती है और उसमें सद्गुणों को ब?ावा देती है। सत्संग सुनना लगातार सकारात्मक, अर्थपूर्ण और दार्शनिक बातों के संपर्क में रहना है, जो हमें आत्मा के उन्नति की ओर ले जाती है।

काश्तकार परिवारों को यूआईटी प्रशासन सहमति पत्र पत्र दे : स्वामी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मिशन सदभाव मार्ग निर्माण मास्टर प्लान के अस्सी फिट चौड़े और ढाई किलोमीटर लंबे मिनी बाई पास सदभाव मार्ग (जस्सा सिह मार्ग से पावन धाम होते हुए सूरतगढ़ पदमपुर बाई पास तक) के निर्माण के लिए पिछले चार साल से इस मार्ग और आस पास रहने वाले करीब दो दर्जन से अधिक कालोनियों के पचास हज़ार आबादी के लोग संघर्ष कर रहे है ।इस मार्ग निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे पूर्व पार्षद भाजपा नेता सुरेन्द्र स्वामी ने कहा है की इस मार्ग के निर्माण के लिए सबसे पहले अस्सी फिट चौड़ाई में सड़क सीमा की जगह लेना प्राथमिकता है जिसके लिए नगर विकास न्यास प्रशासन द्वारा सड़क सीमा में आने वाली कृषि भूमियो का अधिग्रहण किया जाना है ।नगर विकास न्यास ने अधिग्रहण करने से पहले की सभी औपचारिकता

लगभग पूरी कर ली है। जिसमे सबसे पहले अधिग्रहण के लिए ट्रस्ट बैठक में स्वीकृति लेनी होती है जो ली जा चुकी है और सभी प्रकार के सर्वे भी हो चुके है । पूर्व पार्षद सुरेन्द्र स्वामी ने जिला कलेक्टर और न्यास अध्यक्ष से आग्रह और सुझाव दिया है कि अधिग्रहण की कार्यवाही शुरू करने से पहले जिन जिन किसानो की कृषि भूमि सड़क सीमा में आ रही है उन सभी किसान भाइयो को नगर विकास न्यास प्रशासन पत्र जारी करके सड़क निर्माण के लिए आवश्यक सड़क सीमा की जगह सहमति से शहर और जनहित में मागनी चाहिए ।जो किसान भाई मुआवजा / विकसीत भूमि/ सुविधा क्षेत्र में लाभ या नि:शुल्क जिस भी शर्त से किसान सहमत हो उसी हिसाब से जगह ली जाए । पूर्व पार्षद सुरेन्द्र स्वामी ने कहा कि हमे यकीन है नगर विकास न्यास दारा अधिग्रहण की कार्यवाही से पूर्व यदि सहमति पत्र दिए जाए तो सड़क सीमा की जगह जल्द उपलब्ध होगी वही अधिग्रहण जैसी भारी भरकम कानूनी कार्यवाही से भी बचा जाएगा ।ज्ञात रहे बसंती चौक क्षेत्र में ढिल्लों परिवार, कृषि पंडित बलवंत सिह परिवार, भांभू परिवार और गेदर परिवार में शहर हित में मास्टर प्लान की सड़के और पानी निकासी के नालो के लिए निशुल्क कृषि भूमि का समर्पण कर चुके है ।

सोहना में चौथी मंजिल गिरकर युवक की मौत

छज्जे पर आग ताप रहा था, पांव की नस चढ़ी, संतुलन बिगड़ा

सोहना। सोहना में चौथी मंजिल से गिरकर युवक की मौत हो गई। युवक अपने बच्चों और पत्नी के साथ चौथी मंजिल के छज्जे पर आग ताप रहा था। इसी दौरान संतुलन खराब होने की वजह से वह नीचे आ गिरा। जिस कारण उसकी गर्दन टूट गई और हाथ पांव टूट गए। आसपास के लोग उसे सोहना के सामान्य अस्पताल लेकर आए, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अजय श्रीवास्तव (42) अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ 3 महीने से सोहना की शिव कॉलोनी में किराए के मकान पर रहता था। मृतक अजय यूपी के गांव हरकपुर जिला देवरिया का रहने वाला था। सोहना पुलिस ने नागरिक अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया।

श्रीगंगानगर के ध्रूव और अक्षय की जागरूकता और सूझबूझ बनी समाज के लिए मददगार

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पिछले दिनों श्रीगंगानगर के मोहर सिंह चौंक पर रहने वाले 22 वर्षीय ध्रूव और अक्षय की समझदारी कालोनी में रहने वालों के लिए जीवनदान से बढ़कर साबित हुई। पिछले कुछ दिनों से मोहर सिंह चौंक पर एक कुत्ता जो आने जाने वाले एवं मोहल्ला वासियों को काटने के हमेशा तैयार रहता था , ऐसे में मोहल्ला वासियों में डर का माहौल था । लोगों के लिए गली से आना जाना मुश्किल सा हो गया था । जहां कोई भी इस समस्या के समाधान नहीं ढूंढ़ पा रहा था ऐसे में ध्रुव और अक्षय मोहल्ले के लिए किसी हीरो से कम साबित नहीं हुए । इन्होंने एडवोकेट आशीष अग्रवाल को फोन कर सूचित किया। एडवोकेट

आशीष अग्रवाल, (अध्यक्ष सेवा सहयोग सत्कार फाउंडेशन) एवं एडवोकेट पुष्पेन्द्र स्वामी, (अध्यक्ष फ्रैंडस ऑफ नेचर) ध्रूव और अक्षय के साथ मिलकर कुत्ते को राजकीय पशु चिकित्सालय में ले जाकर जांच करवाई। जांच के दौरान रैबीज का मालूम लगा । ऐसे में चिकित्सालय द्वारा एंटी रैबीज का टीकाकरण किया गया । इस उपरांत अक्षय एवं ध्रुव कुत्ते को शहर से बाहर छोड़कर आए । इस नेक कार्य के लिए मोहल्ला वासियों ने अक्षय और ध्रुव की प्रशंसा की एवं एडवोकेट आशीष एवं एडवोकेट पुष्पेन्द्र का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सिर्फ ऑटोवाले ही क्यों लगाए अलग से मीटर

हाई कोर्ट में होगा फैसला

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में शहर पुलिस ने 1 जनवरी से मीटर से नहीं चलने वाले ऑटो के चालान का फैसला लिया था। ऑटो चालकों ने पुलिस के इस फैसले के खिलाफ ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ऑटो चालकों की हाईकोर्ट में याचिका दायर करके कहा है पुलिस का आदेश भेदभाव करने वाला है। यह संविधान के संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है। याचिका में दलील दी गई कि सिर्फ ऑटो में ही क्यों दूसरी मापने के लिए अलग मीटर होना चाहिए, दुपहिया, तिपहिया, टैक्सी, मैक्सी कैब, बस और लग्जरी के साथ भारी वाहनों सहित परमिट वाले सभी वाहनों में दूरी मापने के लिए अलग मीटर होना चाहिए।

हाईकोर्ट में दी फैसले को चुनौती

ऑटो चालकों की एसोसिएशन के हाईकोर्ट में आदेश को चुनौती देने के बाद पूरे मामले में नया ट्विस्ट आ गया है। अब देखना यह है कि अहमदाबाद शहर पुलिस अपने आदेश को वापस लेती है या फिर 1 जनवरी से कार्रवाई शुरू करती है। अहमदाबाद पुलिस आयुक्त जी एस मलिक ने पिछले दिनों यह फैसला तब लिया था जब उन तक मीटर से नहीं चलने को लेकर शिकायतें पहुंची थी। अहमदाबाद पुलिस के फैसले को शहर के ओलंपिक ड्रीम से भी जो?कर देखा गया था। गुजरात सरकार अहमदाबाद में 2036 खेलों की मेजबानी हासिल करने के हरसंभव कोशिश कर रही है।

सरकार दो गज जमीन भी देने में असफल रही, भाजपा के वार पर कांग्रेस का पलटवार

नई दिल्ली (जनमार्ग न्यूज)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं की अनुपस्थिति को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कई सवाल उठाए थे. बीजेपी ने कांग्रेस पर ये आरोप लगाया था कि पार्टी ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर सम्मान और संवेदनशीलता का परिचय नहीं दिया. इसके जवाब में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि बीजेपी को केवल राजनीतिक खेलों से मतलब है उन्हें संवेदनशीलता से कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी ने परिवार के बाकी सदस्यों के साथ मिलकर अंतिम संस्कार की शाम को शोक व्यक्त किया था. पवन खेड़ा ने आगे बताया कि मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम के दौरान निगमबोध घाट पर काफी कुव्यवस्था थी, जिसकी वजह से परिवार के सदस्यों को उचित स्थान नहीं मिल पाया. इस स्थिति में परिवार के लोगों ने किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेने से बचने के लिए कार्यक्रम को केवल परिवार तक सीमित करने का फैसला लिया. पवन खेड़ा ने ये भी स्पष्ट किया कि फूल चुनने के कार्यक्रम में केवल परिवार के सदस्य ही शामिल थे ताकि परिवार की

निजता का सम्मान किया जा सके.

बीजेपी सरकार पर संवेदनशीलता का तंज

कांग्रेस नेता ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर ये मामला किसी बड़े कारोबारी से जुड़ा होता जैसे अडानी को जमीन देनी होती तो सरकार तुरंत सारी व्यवस्थाएं कर देती, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए जिनका योगदान भारतीय अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व रहा सरकार दो गज जमीन भी देने में असफल रही. साथ ही उन्होंने ये सवाल उठाया कि क्या बीजेपी सरकार को इस तरह के संवेदनशील मुद्दों पर भी राजनीति करनी चाहिए?

कांग्रेस ने बीजेपी के आरोपों को किया खारिज

कांग्रेस नेताओं ने बीजेपी की ओर से लगाए गए आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया और बताया कि उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान केवल परिवार की निजता का सम्मान किया. पवन खेड़ा ने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम को शांति और सम्मान के साथ पूरा करना था. वहीं बीजेपी ने इस मामले को लेकर कांग्रेस से सवाल किए और आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जानबूझकर इस आयोजन को कम महत्व दिया.

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

नाबालिग से दोस्त ने किया दुष्कर्म

घुमाने ले जाने के बहाने निर्माणाधीन मकान में ले गया, मां की पहले हो चुकी है मौत

नर्मदापुरम (जनमार्ग न्यूज)। नर्मदापुरम के देहात थाना क्षेत्र में 15 साल की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नाबालिग से रेप करने वाला 24 साल का दोस्त है। जिसने धोखे से पीड़ति को प्यार के झांसे में लेकर दुष्कर्म किया। बाद में उसने पीड़ति को घर ले जाकर छोड़ दिया। पीड़ति ने अपने पिता को युवक की करतूत बताई। जिसके बाद पीड़ति ने रात में थाने पहुंचकर आरोपी अजय पिता बारेलाल जराने(24) निवासी ग्राम पलासडोह के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया। रविवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

घुमाने ले गया था आरोपी

पुलिस के मुताबिक 15 साल की नाबालिग पीड़ति कक्षा 8वीं तक पढ़ी। उसकी मां की मृत्यु हो चुकी है। पलासडोह के रहने वाले आरोपी अजय जराने को वो करीब 2 साल से जानती है। आरोपी ने उसे झांसे में लेकर प्रेम जाल में फंसाया। 28 दिसंबर की शाम करीब 4 बजे पीड़ति के घर आया और उसे घुमाने ले गया।

मालाखेड़ी में निर्माणाधीन मकान में ले गया

घूमने के बाद पीड़ति ने अजय से कहा कि मुझे वापस घर छोड़ दो, तो अजय उसे मालाखेड़ी में एक निर्माणधीन मकान में ले गया और वहां पीड़ति से रेप किया। फिर आरोपी अजय उसे गांव छोड़ने पहुंचा। पीड़ति ने अपने पिता को सारी घटना बताई।

पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

आरोपी अजय जराने के खिलाफ नाबालिग से रेप की धारा धारा 64 बीएनएस, 5/6 पॉक्सो एक्ट का केस दर्ज किया। थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने बताया 15 साल की पीड़ति से आरोपी अजय ने रेप किया। आरोपी पीड़ति को 2 साल से जानता पहचानता था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

खेलो के माध्यम से तनाव मुक्त जीवन संभव : तरुण विजय

हनुमानगढ़ में डीपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य आगाज

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। शनिवार को रॉयल ड्रीम लैंड वेलफेयर समिति द्वारा आयोजित प्रथम क्रिकेट प्रतियोगिता डीपीएल का शुभारंभ प्राइवेट कॉलेज एवं स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का परिचय लिया और उद्घाटन मैच की पहली गेंद खेलकर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष वीरेंदर पाल सिंह राणा ने बताया कि इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में ड्रीम लैंड, रॉयल ड्रीम लैंड और रॉयल ड्रीम लैंड सुपर के नाम से कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में लगभग 100 खिलाड़ियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन करने के लिए हिस्सा लिया है। इस आयोजन का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। मुख्य अतिथि प्राइवेट कॉलेज एवं स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय ने इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि जीवन में अनुशासन और सहयोग की

भावना भी विकसित करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से खेल भावना के साथ खेलने और हर परिस्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेल समुदाय को एकजुट करने और सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार करने का एक बेहतरीन माध्यम है। दर्शकों और खिलाड़ियों के जोश और उत्साह से यह प्रतियोगिता निश्चित रूप से यादगार बनेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अध्यक्ष वीरेंदर पाल सिंह राणा के साथ सचिव देवेंद्र थेपड़ा, राकेश भाम्भू, इंद्राज जोशी, विनोद, मनोज पुरोहित, जगदीश ढाका, संजय सिंह, और नंदकिशोर पुनिया ने प्रतियोगिता की तैयारी और आयोजन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, जिससे दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल खिलाड़ियों के कौशल को निखारते हैं, बल्कि युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित भी करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं भविष्य में भी आयोजित होती रहेंगी। रॉयल ड्रीम लैंड वेलफेयर समिति के इस प्रयास की क्षेत्र में सराहना हो रही है। यह प्रतियोगिता न केवल खेल के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी, बल्कि हनुमानगढ़ में खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी।

फाजिल्का में 6 थानों के एसएचओ बदले

फाजिल्का (जनमार्ग न्यूज)। फाजिल्का जिले के 6 थानों के एसएचओ बदल दिए गए हैंद्य फाजिल्का के एसएसपी वरिंदर सिंह बरा? के आदेशों पर एसएचओ का तबादला हुआ हैद्य जलालाबाद, फाजिल्का और अबोहर के सीआईए स्टाफ के प्रभारी भी बदले गए हैंद्य एसएसपी का कहना है कि कानून व्यवस्था को सुदृ? बनाने और थानों की परफॉर्मेंस देखते हुए फैसला लिया गया है यह फैसला लिया गयाद्य हैद्य इससे पहले एसएसपी कई थानों का निरीक्षण भी किया। फाजिल्का के एसएसपी वरिंदर सिंह बराड़ ने बताया कि जलालाबाद सिटी थाना के एसएचओ नवदीप सिंह भट्टी की जगह पर सीआईए स्टाफ अबोहर के इंचार्ज इंस्पेक्टर सचिन कुमार को तैनात किया गया है, जबकि थाना अमीरखास के एसएचओ सब इंस्पेक्टर अमरजीत कौर की जगह पर इंस्पेक्टर दविंदर सिंह भुल्लर को एसएचओ बनाया गया हैद्य सीआईए स्टाफ फाजिल्का में इंस्पेक्टर परमजीत सिंह को नया इंचार्ज नियुक्त किया गया है।

पुजारियों, ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपये देने की घोषणा

दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल का एक और दांव

नई दिल्ली। दिल्ली में पुजारियों और के लिए आप सरकार नई योजना लेकर आई है। अरविंद केजरीवाल ने आज अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना का ऐलान किया है। इस योजना के तहत सरकार बनने के बाद,दिल्ली के पुजारियों और ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके लिए कल यानी 31 दिसंबर से रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो जाएंगे।

अरविंद केजरीवाल ने आज 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों के लिए हमने सम्मान राशि देने की घोषणा की है। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना होगा। केजरीवाल ने बताया कि हमारी सरकार आते ही इस योजना के तहत पुजारियों और ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपए दिए जाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि 31 दिसंबर से कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर से इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत होगी।

अरविंद केजरीवाल ने इस नई योजना के बहाने भारतीय जनता पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब बीजेपी इस योजना को बंद नहीं करा सकती। उन्होंने कहा कि हमारी बीजेपी वालों से विनती है कि महिला सम्मान और संजीवनी योजना की तरह इस योजना को कोशिश नहीं करेंगे। मैं तो कांग्रेस और बीजेपी की सरकारों से भी अपने-अपने यहां इस योजना को लागू करें।

रोहिंग्या के मुद्दे पर केजरीवाल ने हरदीप सिंह पुरी को गिरफ्तार करने की मांग की है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं उनसे हरदीप सिंह पुरी को गिरफ्तार करने का अनुरोध करता हूं। उनके पास रोहिंग्याओं को कहां और कैसे बसाया,इसका सारा डेटा है। उन्होंने ट्वीट कर जानकारी दी। हरदीप सिंह पुरी और अमित शाह के पास रोहिंग्याओं को कैसे और कहां बसाया, इसका सारा डेटा है।

खुले बोरवेल ने ली जान..तीन बहनों में इकलौता भाई था

गुना (जनमार्ग न्यूज)। मध्यप्रदेश में खुले बोरवेल ने फिर एक मासूम की जान ले ली। गुना जिले के राघौगढ़ के पीपल्या गांव में शनिवार शाम को बोरवेल में गिरे 10 साल के सुमित मीणा को बचाया नहीं जा सका। 16 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। बच्चे को रविवार सुबह 9:30 बजे निकाला गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में मौजूद उसके माता-पिता बदहवास हो गए। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। मां रामकन्या बाई तो एक ही बात कह रही है-%मुझे तो अपना बालक ही चाहिए। मेरे लिए लाल (बेटा सुमित) से बढ़कर कुछ नहीं है। धन-दौलत कुछ नहीं चाहिए। मुझे तो मेरा लाल चाहिए, ऐसा का

ऐसा। कैसे मैंने नौ महीने पाला मेरे लाल को। तीन छोरियों के बाद भगवान ने मेरा लाल सुमित दिया था। मैने सुमित को 6 महीने पहले गले लगाया था, लेकिन अब मैं उसे कभी नहीं देख पाऊंगी। बता दें कि मां रामकन्या की मानसिक स्थिति अच्छी नहीं होने से वह 7 साल से मायके में भाई-भाभी के साथ रह रही है, जबकि उसकी तीनों बेटियां और बेटा सुमित पिता दशरथ मीणा के साथ रहते थे। दशरथ ने एक साल पहले दूसरी शादी कर ली थी। सुमित की मां ने कहा- शाम को फोन आया तो भतीजी और मेरा भाई रोने लगा। काकी की लड़की भी रोने लग गई। मैंने पूछा क्या हुआ, सब क्यों रो रहे हैं। तब भी किसी ने मुझे कुछ नहीं बताया। सब लोगों को रोते देखा तो मैंने एक बार फिर पूछा कि क्या हुआ, कुछ तो बताओ। इसके बाद भाभी बोली सुमित गिर गया है। इसके बाद हम पिपल्या गांव पहुंचे। अब मैं उसे जिंदगीभर नहीं देख पाऊंगी।

बाबा बंदा सिंह बहादुर खंडा साहिब चौक टाउन में आयोजित कार्यक्रम

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। शहीदी सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन हनुमानगढ़ टाउन के बाबा बंदा सिंह बहादुर खंडा साहिब चौक में 21 दिसंबर से 27 दिसम्बर तक लगातार चल रहा था। इस आयोजन का उद्देश्य शहीदों की शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित करना और सिख इतिहास के महत्व को नई पीढ़ी के सामने लाना था। समागम का समापन आज 27 दिसंबर को गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार, नई आबादी, गली नम्बर 05 हनुमानग? टाउन में हुआ ।समागम के दौरान सिख इतिहास और गुरबाणी की कथाओं का महत्व बताया गया। इस विशेष अवसर पर भाई गुरप्रीत सिंह जी गंगानगर से पहुंचे और संगत को सिख इतिहास के गौरवमयी घटनाओं के बारे में बताया। उन्होंने शहीदी सप्ताह के दौरान हुए बलिदानों, वीरता और धर्म की रक्षा के संघर्ष को उजागर किया। उनके द्वारा प्रस्तुत की गई गुरबाणी की कथा ने सभी को शांति और भक्ति की ओर प्रेरित किया। समागम में विशेष रूप से उन

बच्चों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने सिख इतिहास पर आधारित परीक्षा में अव्वल अंक प्राप्त किए थे। यह सम्मान उनके ज्ञान और सिख धर्म के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाता है। इस सम्मान से बच्चों में एक नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ। 27 दिसम्बर को बारिश के कारण समागम को शहीद स्मारक से गुरुद्वारा साहिब में स्थानांतरित करना पड़ा, लेकिन गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का सहयोग बहुत सराहनीय रहा। उन्होंने समागम के सुचारू रूप से संचालन के लिए हर संभव प्रयास किया और सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया। समागम में हर आयु वर्ग की संगत ने भाग लिया। गुरबाणी कीर्तन, शहीदी की वार्ताएं और ऐतिहासिक घटनाओं का समावेश सभी को एकजुट और प्रेरित करने का कार्य किया। इस आयोजन ने सिखों की वीरता, बलिदान और अपने धर्म के प्रति समर्पण की भावना को उजागर किया। समाप्ति पर संगत ने गुरु ग्रन्थ साहिब का धन्यवाद अदा किया और शहीदों की शहादत को श्रद्धांजलि दी। इस तरह का समागम न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहर, सिख इतिहास और परंपराओं को समझने और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।इस मौके पर बाबा बंदा सिंह बहादुर सेवा समिति के सेवादार प्रदीप सैनी कुलविंदर सिंह सतनाम सिंह वकील सिंह सोनू कलसी कुलदीप सिंह प्रदीप सिंह गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सेवादार बीबी सुखविंदर कौर मौजूद रहे।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत की हार का जिम्मेदार कौन? फिर सबसे बड़ा दुश्मन बना विलेन

नई दिल्ली। मेलबर्न के मैदान पर खेले गए चौथे टेस्ट मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा. ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम दिन यह मुकाबला 184 रनों से जीता. भारत को पांचवें दिन 340 रनों का लक्ष्य मिला, लेकिन टीम इंडिया इस मैच को जीत तो दूर ड्रॉ भी नहीं करा सकी. इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज हार के खतरे को खत्म कर दिया. भारत की इस हार के जिम्मेदार ऋषभ पंत रहे. वहीं क्रिकेट में भारत का सबसे बड़ा दुश्मन एक बार फिर टीम इंडिया की हार की वजह बना.

पांचवें दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम 234 रनों पर ऑलआउट हुई. पहली पारी में बढ़त के आधार पर भारत को 340 रनों का लक्ष्य मिला. जीत के लिए टीम इंडिया को बैजबॉल स्टाइल में खेलना था, लेकिन रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल मैच को ड्रॉ कराने उतरे. 17वें ओवर में 25 के कुल स्कोर पर भारत का पहला विकेट गिरा. इसके बाद जल्द ही केएल राहुल और विराट कोहली भी पवेलियन लौट गए. 33 रनों पर टीम इंडिया ने 3 विकेट गंवा दिए.

दूसरे सेशन में भारत ने जबरदस्त वापसी की. पूरे सेशन में कोई विकेट नहीं गिरा. ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल के बीच 88 रनों की साझेदारी हो चुकी थी. ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया ने भी इस मैच को ड्रॉ मान लिया है. खैर, तीसरे सेशन का खेल शुरू हुआ. सबने सोचा था कि पैट कमिंस या मिचेल स्टार्क गेंदबाजी करेंगे, पर ऐसा नहीं हुआ. बॉलिंग करने आए ट्रेविस हेड.

कंगारू कप्तान पैट कमिंस ने फील्ड खोल दी थी. अंतिम सेशन में भारत को करीब 38 ओवर में 228 रन बनाने थे. हेड और ल्योन गेंदबाजी कर रहे थे. माहौल ड्रॉ के लिए सेट था, लेकिन फिर कछुए की रफ्तार में खेल रहे ऋषभ पंत को अचानक बड़ा शॉट खेलने की सूझ गई. पंत बाउंड्री पर कैच आउट हो गए. हेड ने उन्हें आउट किया और फिर एक अजीबो-गरीब सेलिब्रेशन किया.

फिर क्या था. पंत के आउट होते ही विकेटों की झड़ी लग गई. भारतीय बल्लेबाज तू चल मैं आया की तर्ज पर पवेलियन लौटे. इस बीच यशस्वी जायसवाल के विकेट को लेकर माहौल गर्म भी हुआ. कुछ का मानना था कि वह आउट हैं, लेकिन कुछ का कहना था कि वह आउट नहीं थे. मैदान अंपायर ने भी नॉट आउट दिया था, लेकिन तीसरे अंपायर ने स्निको मीटर में कोई हरकत ने होने पर भी उन्हें आउट दिया. यह फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि यशस्वी के ग्लव्स के पास से गेंद की दिशा बदल गई थी. कुछ देर में ही टीम इंडिया ऑलआउट हो गई और ऑस्ट्रेलिया ने 184 रनों से मैच जीत लिया.

हनीमून आइडिया और पीठ पर लिखे 5 शब्द...

उस सनकी एक्टर की दास्तां जिसने पैसों के लिए ले ली पड़ोसी कपल की जान

नई दिल्ली। जुर्म की एक ऐसी कहानी, जिसमें एक अभिनेता दो लोगों का बेरहम कातिल बन बैठा। उसे काम मिलना बंद हो चुका था, कर्ज बढ़ता ही जा रहा था और जब घर से बेदखल किए जाने का नोटिस पहुंचा तो उसने खुद के लिए एक खौफनाक रास्ता चुन लिया। ऐसा रास्ता, जिसमें उसके हाथ दो लोगों के खून से लाल हो गए। उसने पहले अपने पड़ोसी को सिनेमा हॉल में बुलाकर बेरहमी से कत्ल किया और फिर उसकी लाश के टुकड़े-टुकड़े कर अलग-अलग जगहों पर फेंक दिये। इसके बाद उसने अपने इस पड़ोसी के मोबाइल से उसकी महिला दोस्त को फोन किया और उसके अपार्टमेंट पर बुलाकर गोली मार दी। उसका प्लान बहुत मजबूत था। वो अपने पड़ोसी को ही उसकी महिला दोस्त के कत्ल में फंसाना चाहता है, लेकिन एक गलती से उसका सारा भेद खुल गया और पुलिस की हथकड़ी उसके हाथों तक पहुंच गई।

तारीख थी 21 मई 2010 और जगह कैलिफोर्निया का कोस्टा मेसा इलाका। यहां सैम हेर नाम का एक शख्स अपने परिवार से अलग रहता था। कुछ दूरी पर जूली किबुइशी नाम की उसकी एक महिला दोस्त भी रहती थी। एक दिन जब वह अपने पिता स्टीव हेर से मिलने नहीं गया, तो उन्हें अपने बेटे की फिक्र हुई और वे मिलने के लिए उसके अपार्टमेंट पहुंचे।

कत्ल के बाद जूली की पीठ पर लिखा...

स्टीव ने जब डुप्लीकेट चाभी से दरवाजा खोला तो अंदर का हाल देखकर कांप गए। बेड के पास 23 वर्षीय जूली किबुइशी की खून से लथपथ लाश पड़ी थी। उन्होंने तुरंत पुलिस को फोन किया। क्राइम न्यूज वेबसाइट ऑक्सीजन के मुताबिक, मौके पर पहुंची पुलिस ने जब तहकीकात की तो देखा कि लाश की पीठ पर लिखा है- 'F you, she's all yours'। वहीं, अपार्टमेंट का मालिक सैम गायब था। सैम का पासपोर्ट, आईडी, बटुआ और गाड़ी सब गायब थे। पुलिस ने शुरू में माना कि सैम ने जूली का कत्ल किया है और मौके से भाग गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि जूली को दो बार सिर में गोली मारी गई थी। उसकी पेंट फटी हुई थी, लेकिन उसका यौन उत्पीड़न नहीं किया गया था। सबूतों से एक बात और पता चली कि उसकी पैंट उसके कत्ल के कई घंटों बाद काटी गई थी।

भगवान मुरुगन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप, पुलिस को आया फोन कॉल

चेन्नई। तमिलनाडु के वडापलानी में भगवान मुरुगन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने कहा कि हम मंदिर को जल्द उड़ा देंगे। पुलिस ने कहा कि धमकी भरी कॉल 12 बजकर 30 मिनट पर चेन्नई शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष में आई।

बम निपटान दस्ता पहुंचा मंदिर

धमकी मिलते ही बम जासूस और निपटान दस्ते के अधिकारियों ने सोमवार सुबह मंदिर और उसके परिसर में विस्तृत तलाशी ली। बाद में उन्होंने इसे एक फर्जी कॉल घोषित कर दिया।

फोन पर बोला आरोपी- जल्द फट जाएंगे बम

फोन कॉल करने वाले बदमाश ने दावा किया कि मुरुगन मंदिर में बम लगाए गए हैं और कहा कि बम जल्द ही फट जाएंगे। इसके बाद, शहर की पुलिस ने वडापलानी पुलिस को सतर्क कर दिया और सब-इंस्पेक्टर महेश मारिया के नेतृत्व में बीडीडी: अधिकारी मंदिर गए, जब मंदिर सुबह की पूजा के लिए खुला था। पुलिस टीम ने खोजी कुत्ते भैरव के साथ मंदिर में प्रवेश किया और पूरे स्थान पर गहन तलाशी ली।

बीपीएससी छात्रों के सामने कंबल-कंबल करने लगे प्रशांत किशोर, धौंस देख उखड़े अभ्यर्थी और दिए टका सा जवाब

पटना। जनसुराज नेता प्रशांत किशोर और सांसद पप्पू यादव के बीच तीखी बहस छिड़ गई है। यह विवाद बीपीएससी अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज के बाद शुरू हुआ। प्रशांत किशोर अभ्यर्थियों के साथ सीएम आवास का घेराव करने जा रहे थे। तभी पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस घटना के बाद पप्पू यादव ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अभ्यर्थी प्रशांत किशोर से नाराज दिख रहे हैं। इस वीडियो में कंबल को लेकर भी बहस हो रही है।

कंबल को लेकर नोकझोंक

दरअसल, रविवार रात पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। ये अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने जा रहे थे। प्रशांत किशोर इन अभ्यर्थियों के साथ मार्च कर रहे थे। गांधी मैदान के जेपी गोलंबर के पास

पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस घटना के बाद पप्पू यादव ने एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में अभ्यर्थी प्रशांत किशोर से बहस करते दिख रहे हैं। कंबल के मुद्दे पर भी दोनों पक्षों में तीखी नोकझोंक हुई।

आपसे कंबल मांगा किसने भला?

पप्पू यादव ने ङ्क पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अभ्यर्थी प्रशांत किशोर से कहते दिख रहे हैं, ज्सर आप हमलोगों को उस रास्ता में छोड़कर चले गएज्। इस पर प्रशांत किशोर ने जवाब दिया, ये नया-नया नेता आए हैंज् अभी कंबल हमसे मांगे हो औरज्। अभ्यर्थियों ने पलटवार करते हुए कहा कि आप नेता हैंज् आपसे कंबल किसने मांगा? हमलोगों ने चंदा करके लिया है। आप कंबल देकर धौंस दिखा रहे हैं। आपसे कंबल मांगा किसने भला?

धेले भर की चुनावी औकात नहीं

इस वीडियो को शेयर करते हुए पप्पू यादव ने लिखा है कि प्रशांत कुमार खुद नया नेता बने हैं, और छात्रों को धमका रहे हैं, अपनी औकात का धौंस दिखा रहे हैं! आज जब धेले भर की चुनावी औकात नहीं है तो अहंकार टपक रहा है, छात्रों के सामने बड़ी-बड़ी सरकार उड़ गई, आप क्या चीज़ हैं? छात्र पुलिस से पिट रहे थे आप पीठ दिखा भाग गए, सवाल पूछने पर गाली?

बांग्लादेशी ने की भारत से बेईमानी, कौन हैं यशस्वी को आउट देने वाले थर्ड अंपायर?

मेलबर्न। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल विवादित फैसले की वजह से बॉक्सिंग डे टेस्ट की दूसरी पारी में आउट हुए। उनके खिलाफ विकेटकीपर कैच की जोरदार अपील हुई थी। इसके बाद भी मैदानी अंपायर ने आउट नहीं दिया। ऑस्ट्रेलिया के डीआरएस लेने के बाद फैसला थर्ड अंपायर के पास गया। स्निकोमीटर में कोई भी हरकत नहीं होने के बाद भी टीवी अंपायर शरफुद्दौला सैकत ने उन्हें आउट करार दे दिया।

कौन हैं थर्ड अंपायर शरफुद्दौला सैकल: बांग्लादेश के शरफुद्दौला सैकल आईसीसी एलीट पैनल के अंपायर हैं। इसी साल की शुरुआत में उन्हें एलीट पैनल में शामिल किया गया था। वह पहली बांग्लादेशी अंपायर हैं, जिन्हें आईसीसी की एलीट पैनल में जगह मिली। वह 100 वनडे, 73 टी20 इंटरनेशनल और 23 टेस्ट मैचों में अंपायर की भूमिका निभा चुके हैं। इसके अलावा 45 महिला इंटरनेशनल मैच में भी सैकल अंपायर रह चुके हैं। शरफुद्दौला सैकल ने 2010 में पहली बार वनडे में अंपायरिंग की थी। 2018 महिला टी20 वर्ल्ड कप के अंपायर में उनका नाम भी शामिल था। 2020 अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी शरफुद्दौला सैकल ने अंपायरिंग की थी। 2021 में पहली बार उन्होंने टेस्ट मैचों में अंपायरिंग की। वर्ल्ड कप 2023 के 16 अंपायर्स में सैकल का नाम भी शामिल था। इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच हुए डे नाइट टेस्ट में वह मैदानी अंपायर थे।

यहीं से तय हो गई भारत की हार: यशस्वी जायसवाल भारत की आखिरी उम्मीद थी। वह वॉशिंगटन सुंदर के साथ खेल रहे थे। यशस्वी के आउट होने के बाद सिर्फ टेलेंडर ही बचे थे। ऑस्ट्रेलिया को भी यशस्वी का विकेट चाहिए था और थर्ड अंपायर ने उन्हें फ्री में दे दिया। 140 के स्कोर पर यशस्वी 7वें विकेट के रूप में आउट हुए। 155 के स्कोर पर भारत की पारी सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने 184 रनों से मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

रक्तदान को सबसे बड़ा दान : गणेशराज बंसल

स्व. अशोक पुनिया की प्रथम पुण्यतिथि पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। शनिवार को जंक्शन के जाट भवन में स्व. अशोक पुनिया की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ विधायक गणेशराज बंसल, निवर्तमान सभापति सुमित रणवा, अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय, पीसीसी सदस्य भूपेंद्र चौधरी, जिला परिषद डायरेक्टर मनीष मक्कसर, पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची, किसान प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष प्रवीण बिश्नोई, पूर्व पार्षद भूपेंद्र नेहरा, सुशील नैन, एडवोकेट गौरीशंकर माक्क?, किसान यूनियन अध्यक्ष रेशम मानुका, रायसाहब मल्ल?खे?ा और केशव पुनिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उक्त शिविर में 220 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। विधायक गणेशराज बंसल ने कहा कि दिवंगत परिजनों की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन करना एक महान और प्रेरणादायक कार्य है। उन्होंने रक्तदान को सबसे बड़ा दान बताते हुए युवाओं से समाज सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। निवर्तमान सभापति सुमित रणवा ने स्व. अशोक पुनिया के समाज के प्रति योगदान को याद करते हुए कहा कि वे सामाजिक क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहे और उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी प्रेरणा देते हैं। उन्होंने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय ने अपने संबोधन में रक्तदान को महादान की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान जीवन बचाने का सबसे पवित्र कार्य है, और इससे बड़ा पुण्य कोई नहीं हो सकता। उन्होंने युवाओं को नियमित रूप से रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की सलाह दी। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रूप से रक्तदान किया। कई सामाजिक संगठनों और युवाओं ने अपना समर्थन दिया। आयोजन समिति के सदस्यों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न भेंट किए। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के महत्व को जागरूक करना था। आयोजकों ने बताया कि इस शिविर से एकत्रित रक्त जिला अस्पताल और विभिन्न जरूरतमंद संस्थाओं को प्रदान किया जाएगा। इस पुनीत अवसर पर सभी वक्ताओं ने स्व. अशोक पुनिया के सामाजिक योगदान को याद किया और आयोजको के इस प्रयास की सराहना की।

ये है जज्बा... मणिपुर हिंसा में बर्बाद हो गया था घर, सिपाही अब बनेगा सेना में अफसर

जनमार्ग न्यूज

पुणे। मणिपुर के चुराचंदपुर जिले के सोंगगेल गांव के रहने वाले सोलोमन की कहानी साहस और दृढ़ता की मिसाल है। मई 2023 में मणिपुर हिंसा के दौरान उनका घर तबाह हो गया था। उस समय वह एक सिपाही थे। लेकिन तमाम मुश्किलों के बावजूद, उन्होंने एसीसी परीक्षा और एसएसबी इंटरव्यू पास कर लिया। अब वह ऑफिसर बनने की राह पर हैं। वर्तमान में वह मुंबई में 15 असम रेजिमेंट में तैनात हैं। यह उनकी मेहनत, लगन और यूनिट के सहयोग का ही नतीजा है कि उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। यह घटना उनके परिवार और गांव के लिए गर्व का क्षण है।

सोलोमन के परिवार को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वे अभी भी किराए के मकान में रह रहे हैं और अपने गाँव लौटने में असमर्थ हैं। सोलोमन की मां ग्रेस चिंखोनेई ने मणिपुर से बताया कि हमने संघर्ष में सब कुछ खो दिया। हमारे पास कुछ भी नहीं बचा है। वह हमारी एकमात्र आशा था और उसने कुछ ऐसा हासिल किया जिसकी गांव में किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। यह मेरे और पूरे गांव के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि वह हमारे गांव से आर्मी ऑफिसर बनने वाले पहले व्यक्ति होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि हम नहीं जानते कि हमारा घर कैसा दिखता है क्योंकि तनाव अभी भी बना हुआ है। सुरक्षा कारणों से हमें वहां जाने की अनुमति नहीं है। सोलोमन ने घर बनाने के लिए कर्ज लिया था। जब भीड़ ने हमला किया तो हमने सब कुछ खो दिया, जिससे हमें घर छोड़कर जंगल में भागना पड़ा। मेरे बेटे ने हमें एक उज्जवल भविष्य के लिए बड़ी उम्मीद दी है।

सोलोमन 2020 में असम रेजिमेंट सेंटर, शिलांग में एक सिपाही के रूप में सेना में शामिल हुए थे। प्रशिक्षण के बाद, उन्हें 15 असम रेजिमेंट बटालियन में शामिल किया गया। सोलोमन के परिवार ने बताया कि उनके बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें तैयारी में मदद की। सोलोमन के भाई डैनियल ने कहा कि यूनिट के समर्थन के बिना, सोलोमन परीक्षा और एसएसबी इंटरव्यू के लिए अच्छी तरह से तैयारी नहीं कर पाते। वह पहली बार में परीक्षा पास नहीं कर सके। दूसरे प्रयास में, उन्हें यूनिट में अपने सीनियर्स से मार्गदर्शन मिला और यही उनके लिए निर्णायक साबित हुआ।

ऐश्वर्या राय-अभिषेक बच्चन के तलाक की अफवाह से लेकर अल्लू अर्जुन के अरेस्ट तक

जनमार्ग न्यूज

मुम्बई। साल 2024 काफी चर्चा में रहा. एंटरटेनमेंट की दुनिया में कई स्टार्स खबरों का हिस्सा रहे. कई बड़े विवाद भी देखने को मिले. ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के तलाक की खबरों ने बहुत सुर्खियां बटोरी. वहीं कुछ समय पहले अल्लू अर्जुन भी काफी विवादों में रहें. आइए नजर डालते हैं 2024 में एंटरटेनमेंट की दुनिया में कौन-कौन से विवाद हुए.

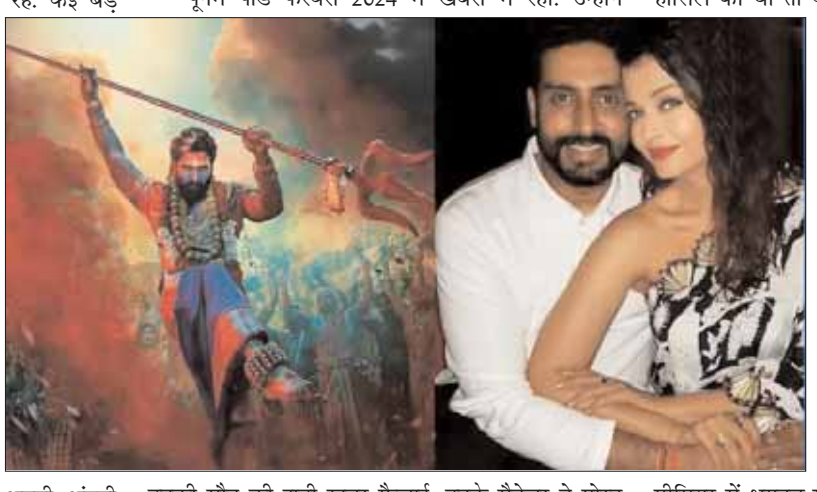

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहे. दोनों के बीच अनबन की खबरें आईं. ऐसी भी रिपोर्ट्स थीं कि वो तलाक लेने वाले हैं. दोनों मुकेश अंबानी के बेटे अनंत की शादी में भी अलग अलग पहुंचे थे. यहां से उनके रिश्ते में दिक्कत की खबरों को हवा मिलीं और लंबे समय तक ये खबरें वायरल रहीं. हालांकि, अभिषेक ने एक बार इस पर रिएक्ट किया था और अपनी अंगूठी दिखाते हुए कहा था कि वो अभी भी शादीशुदा हैं. कुछ समय पहले बेटी आराध्या के एनुअल फंक्शन में भी उन्हें साथ देखा गया था और तलाक-अनबन की खबरों को विराम लगा.

पूनम पांडे ने फैलाई मौत की झूठी खबर

पूनम पांडे फरवरी 2024 में खबरों में रहीं. उन्होंने उनकी मौत की झूठी खबर फैलाई. उनके मैनेजर ने पोस्ट डाला की पूनम का सर्वाइकल कैंसर की वजह से निधन हो गया. लेकिन ये एक मार्केटिंग स्टंट था. पूनम ने बाद में खुद वीडियो शेयर कर बताया कि वो सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना चाहती थीं इसीलिए ऐसा किया.

कंगना रौनत थप्पड़ इंसिडेंट

कंगना रनौत ने जब मंडी लोकसभी चुनाव में जीत हासिल की थी तो वो जीत के बाद वो दिल्ली जा रही थीं. जब वो चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचीं, जहां ष्टड्डस्त्र गार्ड ने थप्पड़ मार दिया था. इसके बाद कंगना ने सोशल मीडिया पर इस घटना के बारे में बात की और वीडियो शेयर किया था.

सलमान खान के घर गैलेक्सी के बाहर फायरिंग : अप्रैल 2024 में सलमान खान के घर गैलेक्सी के बाहर दो लोगों ने फायरिंग की थी. सलमान खान को कई बार जान से मारने की धमकियां भी मिली. लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने उनके घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी.

अल्लू अर्जुन अरेस्ट

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 अभी थिएटर में लगी है. इस फिल्म के प्रीमियर में भगदड़ मच गई थी और एक महिला की मौत हो गई थी. इसी मामले में पुलिस ने अल्लू अर्जुन को अरेस्ट किया था. वो जमानत पर रिहा हैं. पुलिस जांच कर रही हैं, मामला कोर्ट में है.

जिले खत्म करने के विरोध में कलेक्ट्रेट घेराव की तैयारी

● सांचौर में पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई का महापड़ाव शुरू

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। 28 दिसंबर को कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार ने 9 जिलों और 3 संभाग को समाप्त करने का फैसला लिया। कांग्रेस सरकार के वक्त बने नए जिलों को खत्म करने का हर तरफ विरोध शुरू हो गया है। जिलों को बहाल नहीं करने पर कांग्रेस समेत अन्य संगठनों और लोगों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं, सांचौर में महापड़ाव शुरू हो गया है। पूर्व राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में ये महापड़ाव किया जा रहा है। अनूपगढ़ में सोमवार को कई संगठनों की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है। विभिन्न संगठनों की ओर से कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। वहीं, नीमकाथाना में आज आंदोलन उग्र कर ट्रेन रोकने की चेतावनी दी गई है। इससे पहले रविवार शाम को अनूपगढ़ के स्थानीय भाजपा नेताओं ने इस्तीफे दे दिए थे। रविवार दोपहर 3 बजे बीकानेर-श्रीगंगानगर नेशनल हाईवे नंबर 911 पर जाम लगा दिया। शाम साढ़े 5 बजे जाम हटा दिया। नीमकाथाना में सोमवार को स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से 12.30 बजे रैली निकाली जाएगी। इसके बाद कलेक्ट्रेट के आगे प्रदर्शन कर धरना दिया जाएगा। यहां सोमवार सुबह से बाजार बंद नजर आए। यहां रविवार को दिन में 12.30 बजे जिला बचाओ संघर्ष समिति की ओर से रामलीला मैदान में जन आक्रोश सभा रखी गई थी। इस सभा में 30 दिसंबर से अनिश्चितकाल के लिए मंडी को बंद रखने का निर्णय किया गया था। साथ ही ट्रेन रोकने की चेतावनी दी गई थी। जिला निरस्त होने के बाद सांचौर में भी लोगों का आक्रोश नजर आया। व्यापार मंडल के आह्वान पर शहर के बाजार सोमवार को बंद रखे गए। वहीं पूर्व राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में महापड़ाव कलेक्ट्रेट के आगे 11.30 बजे शुरू हो गया है। सभी लोग कलेक्ट्रेट के बाहर सड़क पर बैठ गए हैं।

अबोहर में बंद का असर, राजस्थान से संपर्क कटा

● श्रीगंगानगर, सादुलशहर व हनुमानगढ़ मार्ग पर नहीं चली बसें

● रेल और बसों के पहिए थमे, बाजार में पसरा सन्नाटा

जनमार्ग न्यूज

अबोहर। पंजाब के अबोहर में किसान संगठनों द्वारा केंद्र सरकार को जगाने और अपनी मांगों को मनवाने के किए गए बन्द का पूरा असर देखने को मिल रहा है। इक्का-दुक्का दुकानों को छोड़कर लगभग पूरा बाजार बंद रहा। वहीं सुबह के समय किसान संगठनों के सदस्यों को जो भी दुकान खुली मिली, उसे विनम्रता पूर्वक अपील करके उन्हें बंद करवाया गया। इधर किसान संगठनों के नेताओं ने अबोहर के मलोट चौक, श्रीगंगानगर रोड, हनुमानगढ़ रोड, मटीली रोड, सीतो रोड और मलोट रोड पर सुबह 7 बजे ही धरना लगा दिया। जिससे यातायात पूरी तरह से बंद रहा। बंद को देखते हुए लोग खुद ही अपने घरों से नहीं निकले। इस दौरान आपात कालीन सेवाओं को जारी रखा गया। वहीं शहर में बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर बसें एवं रेलगाडियां ना चलने से पूरी तरह से सन्नाटा पसरा रहा। बसों और रेलगाडियों के चक्के थमे रहे, जिससे आवाजाही पूरी तरह से ठप रही। इधर पुलिस प्रशासन द्वारा रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर निरीक्षण भी किया गया। शहर में व्यापार मंडल और विभिन्न यूनियन ने पहले ही किसानों को आश्वासन दिया था कि वो हड़ताल में पूरा सहयोग देंगे। जिसके चलते पूरे शहर में हर प्रकार की दुकानों बंद रहीं। यहां तक कि क्षेत्र में स्कूल कॉलेज भी पूरी तरह से बंद रहे।

स्कूल टॉपर छात्रा को मिली स्कूटी

केसरीसिंहपुर (जनमार्ग न्यूज)। कस्बे वार्ड नंबर 13 की होनहार छात्रा सिमरनजीत कौर बेटी कमलजीत सिंह निवासी वार्ड नंबर 13 ने मिरजेवाला के राजकीय स्कूल से एग्रीकल्चर सब्जेक्ट के 12वीं क्लास में 90.20 प्रतिशत अंक प्राप्त करने व स्कूल में टॉपर आने पर राज्य सरकार की और से टीवीएस स्कूटी देकर सम्मानित किया गया। वार्ड के गिरधारी लाल नायक ने बताया कि यह बेटी बचपन से ही पढ़ने में बहुत होशियार थी आज बेटी ने अपनी माता पिता के साथ-साथ हमारे वार्ड हमारी मंडी का नाम रोशन किया होनहार बेटी के पिता, कमलजीत सिंह, माता, बलजिंदर कौर, गिरधारी लाल नायक केसराराम, कृष्ण कुमार, सिय आदि मौजूद रहे।

शिमला जा रही टूरिस्ट बस पलटी, 10 घायल

जनमार्ग न्यूज

सोलन। कालका शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग 5 पर जवाली के पास एक निजी वोल्वो बस सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। गनीमत रही कि इस सड़क दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना सुबह 7 बजे की है जब चंडीगढ़ से शिमला जा रही एक निजी वोल्वो बस जवाली के पास सड़क किनारे डिवाइडर से टकरा गई। जिस समय यह सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया, उस समय बस में करीब 35 यात्री सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज गति के कारण चालक बस पर से नियंत्रण खो बैठा। बस डिवाइडर से टकरा गई, जिससे बस हाईवे पर पलट गई। बस के शीशे तोड़कर यात्रियों को बचाया गया साथ ही घायल यात्रियों को तुरंत परमाणु अस्पताल में भर्ती कराया गया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 5 पर इस स्थान पर पहले भी कई बार सड़क दुर्घटनाएं होने के मामले सामने आ चुके हैं। लेकिन विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए कोई ध्यान नहीं दे रहा है। जब इस बारे में पुलिस विभाग से बात की गई तो मौके पर पहुंचे आईओ ने बताया कि सड़क दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है तथा घायलों की सूची अभी जारी नहीं की गई है।

जल कुंड में शव मिलने से सनसनी

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। बीकानेर के बज्जू खालसा क्षेत्र में एक शख्स का शव जलकुंड में मिला। हमेशा की तरह वो अपने काम पर गए थे, वापस नहीं लौटे तो घर वालों ने तलाश शुरू की। ये तलाश जलकुंड पर खत्म हुई, जब शव वहां पानी में तैरता मिला। इस घटना के बाद से घर में सनसनी फैल गई। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला। बज्जू खालसा के सीआईडी क्वार्टर में रहने वाले बलवंत दान चारण हमेशा की तरह अपने काम से गए थे। बलवंत दान वापस घर नहीं लौटे तो घर वालों ने तलाश शुरू कर दी। पद चिन्हों के आधार पर तलाशना शुरू किया तो जल कुंड में ही उनका शव तैरता दिखा। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। बलवंत को बाहर निकाला तो वो मृत अवस्था में था।

सूने मकान में चोरी, लाखों के गहने-कैश चुराए

जयपुर (जनमार्ग न्यूज)। जयपुर में सूने मकान से लाखों रुपए के गहने-कैश चोरी का मामला सामने आया है। मेन गेट का लॉक तोड़कर बदमाश घर के अंदर घुसे थे। वारदात के समय परिवार के सदस्य गांव गए हुए थे। मुरलीपुरा थाने में पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने के साथ चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि मुरलीपुरा के सोनी का बाग निवासी विशाल पारीक के घर चोरी हुई है। दादी का स्वर्गवास होने पर 26 दिसम्बर को वह परिवार सहित अपने गांव सिंगोद कलां गए थे। पीछे से बदमाशों ने चोरी की नीयत से सूने मकान को निशाना बनाया। मकान के मेन गेट का लॉक तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। अलमारी के लॉक को तोड़कर लाखों रुपए के गहने और 30 हजार रुपए चोरी कर ले गए। रविवार को वापस लौटने पर चोरी की वारदात का पता चला। अलमारी में रखे 30 हजार रुपए के साथ ही गहनों में सोने के झुमर, चार अंगूठी, चार चूड़ी, एक रखड़ी, कानों का सैट, दो कड़े, दो जोड़ी कानों की बाली, चार जोड़ी चांदी की पायजेब, चांदी के सिक्के, बर्तन, आंवला सहित अन्य गहने गायब मिले।

आपसी रंजिश के चलते हत्या की जताई गई आशंका

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। महाजन थाना क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दरअसल शुक्रवार रात को रेल की पटरियों पर शेरपुरा निवासी सुनील मेघवाल का शव मिला था। पहले पुलिस आत्महत्या का मामला समझकर जांच कर रही थी। घटनास्थल के पास मृतक की बोलेरो गाड़ी भी लावारिस हालत में मिली, जिसमें खून के धब्बे मौजूद थे।

ऑपरेशन मनुहार के तहत 5 क्विंटल से अधिक गांजा बरामद

जनमार्ग न्यूज

जोधपुर। जोधपुर रेंज की स्पेशल साइक्लोनर टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। टीम ने पूरी कार्रवाई ऑपरेशन मनुहार के तहत की है। टीम ने 5 क्विंटल से अधिक गांजे की खेप बरामद की है। थोड़ी देर में इस पूरे मामले का खुलासा रेंज आईजी की ओर से किया जाएगा। बता दे की रेंज आईजी विकास कुमार के नेतृत्व में जोधपुर रेंज की स्पेशल साइक्लोनर टीम का गठन किया गया है। ये टीम ने अब तक 62 ऑपरेशन कर 64 आरोपियों को पकड़ चुकी है। खास बात यह है कि पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग के लिए आईजी विकास कुमार ने अपने घर पर ही ऑफिस का सेटअप कर रखा है।

अंकुर मगलानी ने किसान नेता ओम प्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अंकुर मगलानी ने किसान नेता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर दुख व्यक्त किया है और उनको श्रद्धांजलि अर्पित की है। अंकुर मगलानी और उनके साथ संगठन महामंत्री श्यामलाल शेखावटी, कोषाध्यक्ष नरेश सेतिया, डॉ. बलदेव बवेजा, अजय गौड एडवोकेट तथा जसमीतसिंह आदि ने हरियाणा के सिरसा जिले में चौटाला गांव के नजदीक चौटाला परिवार के तेजाखेड़ा फार्म में जाकर शोक व्यक्त किया। उन्होंने ओमप्रकाश चौटाला के सुपुत्र अभय चौटाला से मिलकर अपनी आत्मिए संवेदनाएं व्यक्त कीं। ओमप्रकाश चौटाला का पिछले दिनों निधन हो गया था। अंकुर मगलानी ने कहा कि ओमप्रकाश चौटाला वास्तव में किसानों के हमदर्द थे। उन्होंने अपने पिताश्री पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के आदर्शों का अनुसरण करते हुए हमेशा किसानों और किसानी के लिए आवाज बुलंद की उनके न्याय के हित मेंवनपर्यन्त संघर्ष किया। श्री चौटाला सर्वहारा वर्ग के सर्वमान्य नेता थे।

बेकाबू कार नहर में गिरी, चालक की मौत

जनमार्ग न्यूज

नारनौल। महेंद्रगढ़ के नारनौल में कार बेकाबू होकर नहर में गिर गई। जिससे ड्राइवर की मौत हो गई है। स्थानीय लोगों ने ड्राइवर को कार से बाहर निकाला। मृतक के 3 बच्चे हैं और वह किसी काम से गांव जा रहा था। हादसा रविवार रात करीब 9 बचे हुआ है। मृतक की पहचान कृष्ण कुमार (41) निवासी डेरौली अहीर गांव के नाम से हुई है। कृष्ण कुमार के दो लड़की और एक लड़का है। परिजनों के मुताबिक, कृष्ण कुमार आपने गांव डेरौली अहीर से सिहमा नहर के साथ लगते कच्चे रास्ते से खामपुरा की तरफ जा रहा था। इसी दौरान अचानक चलती कार बेकाबू होकर नहर में जा गिरी। हादसे के बाद समीप में बने होटल पर बैठे युवकों ने नहर में कूद कर कार में सवार व्यक्ति को बाहर निकाला और नारनौल सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच करने के बाद कृष्ण कुमार को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची फैजाबाद चौकी पुलिस ने ट्रैक्टर की सहायता से कार को नहर से बाहर निकाला।

सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न

● प्रस्ताव सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी कल्याण समिति, श्रीगंगानगर की वर्ष 2024 की अंतिम बैठक समिति कार्यालय सुखाड़िया पार्क में अध्यक्ष इंजि. अर्जुन देव वधवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सचिव हरपाल सिंह ने बताया कि ईश्वरीय वंदना करके जिलेवासियों के लिए नववर्ष-2025 में सुख-समृद्धि की कामना की गई। बैठक में गत माह नवम्बर, 2024 में हुई बैठक में संविधान में संशोधन हेतु वर्तमान व प्रस्तावित संविधान का मसौदा सदस्यों के समक्ष रखा गया था, जिस पर सदन द्वारा अपनी सहमति व्यक्त की गई थी। इस कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए माह दिसम्बर, 2024 की बैठक में संविधान संशोधन पर सदन में चर्चा की गई तथा सदन द्वारा इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। विचार-विमर्श के पश्चात् सम्बन्धित विभाग को प्रेषित कर अग्रिम कार्यवाही के लिए समिति सदस्य जी.एस. बंसल को अधिकृत किया गया। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ सदस्य रमेश चंद्र शर्मा को 80 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इसके साथ-साथ माह दिसम्बर में जन्मदिन वाले सदस्यों को भी उपहार भेंट कर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। सदस्यों के लिए चाय-नाश्ते की समुचित व्यवस्था कोषाध्यक्ष के.के. गांधी द्वारा की गई थी। बैठक में प्रवीण कुमार गक्खड़ एवं सुरेंद्र कुमार शर्मा ने दर्द भरे गीतों का गायन किया तथा डॉ ओ.पी वैश ने माउथ ऑर्गन पर मधुर धुन पेश कर अदभुत समां बांधा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जगमोहन परनामी व सुरेंद्र शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के अंतर्गत सूरतगढ़ में नशा विरोधी अभियान को लेकर सोमवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नाटक मंचन के माध्यम से उपस्थितजनों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशा मुक्त रहने का आह्वान किया गया। सभी को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलावाई गई। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से विक्रम ज्याणी, रेड आर्ट थियेटर ग्रुप के सहीराम व लक्ष्या ज्याणी ने ''अर्थियां उठाने से अच्छा है जिम्मेदारियां उठा लो'' विषय पर नाटक प्रस्तुत किया। नाटक में समाज में बढ़ रहे नशे के दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए बताया गया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति को बल्कि उसके परिवार और समाज को भी बर्बाद करती है। कलाकारों ने दर्शकों को जागरूक करते हुए यह संदेश दिया कि जीवन में चुनौतियों से भागने की बजाय उनका सामना करना और जिम्मेदारियां निभाना ही सच्ची सफलता है। उपस्थितजनों को जीवन में कभी नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में गुरप्रेम सिंह मान ने कहा कि युवाओं को अपनी ऊर्जा नशे में बर्बाद करने की बजाय राष्ट्र निर्माण में लगानी चाहिए। कार्यक्रम में उन 50 युवाओं को सम्मानित किया गया, जो देश की रक्षा के लिए विभिन्न क्षेत्रों में चयनित हुए हैं। इस अवसर पर विधायक डूंगर राम गेदर, संदीप कासनियाँ, अनिल धानुका, सीआई कृष्ण, सम्पत, राकेश लोहरा, प्रमोद ज्यानी, मोहमंद अली कादिर, शिव प्रकाश गोदारा, सुधीर रिनवा सहित अन्य मौजूद रहे। मंच संचालन पवन सारस्वत ने किया।

कंपनी में दम घुटने से 2 की मौत

जनमार्ग न्यूज

फरीदाबाद। फरीदाबाद की एक कंपनी में दम घुटने से 2 सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। वे ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सो गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया। मरने वालों की पहचान में गार्ड संजय और राजेंद्र के रूप में हुई है। मृतकों के परिजनों ने कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक गार्ड रूम में वैंटिलेशन के लिए दरवाजा नहीं था। उचित मुआवजा देने के साथ ही मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि कंपनी अधिकारी ने धमकाते हुए उन्हें फोन भी किया था। उन्हें वहां की सीसीटीवी फुटेज दिखाई जाएं।

जन्मदिन मुबारक

जनमार्ग न्यूज

पत्नीवाली जाटान। शोभित सिहाग के छठे जन्मदिन पर पड़दादी चिड़ियां देवी, अजय-कुशल (पापा-मम्मी), हरेंद्र-सुशीला, अनिल-सपना, दिनेश-प्रियंका (चाचा-चाची), बलराम - बिमला, मनोहर सिहाग-सुमन, प्रेम राजस्थानी- इन्द्रा सरपंच (दादा-दादी), सरिता-आशीष नेहरा (बुआ-फूंफा) हमीर, पार्थ, भूमिन्जय, मितांश (भैया), चैतन्या, वंशिका (दीदी), रामप्रताप डूडी-कमला (नाना-नानी), सोहनलाल-मंजू, देवेन्द्र- द्रोपदी (मामा-मामी) एवं समस्त सिहाग परिवार पत्नीवाली जाटान, रिश्तेदारों एवं शुभचिंतकों की तरफ से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

इंटक ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अर्पित की श्रद्धांजलि

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक), सोशल मीडिया सेल, श्रीगंगानगर द्वारा सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इंटक जिला सोशल मीडिया प्रभारी एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. संजीवा रेड्डी, राजस्थान इंटक प्रदेशाध्यक्ष एवं श्रम कल्याण सलाहकार बोर्ड के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री) जगदीश राज श्रीमाली, इंटक के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं राजस्थान इंटक के सेक्रेटरी जनरल रमेश व्यास, सोशल मीडिया राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा तथा राजस्थान इंटक के प्रदेश उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा के दिशा-निर्देशानुसार ग्राम कुंडलावाली में इंटक कार्यकर्ता रवि मिस्त्री के निवास पर आयोजित शोक सभा में इंटक पदाधिकारियों व सदस्यों ने 2 मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692